



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 62]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 12, 2018/ माघ 23, 1939

No. 62]

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 12, 2018 MAGHA 23, 1939

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 2018

अंतिम जांच परिणाम

विषय: चीन जन गण के मूल के अथवा वहां से निर्यातित मोनोइसोप्रोपाइल अमीन के आयात पर लगाया जाने वाला पाटनरोधी शुल्क ।

फा. सं. 14/46/2016-डीजीएडी.—1995 में यथा संशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और उसकी सीमा प्रशुल्क (पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, मूल्यांकन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए,

1. जबकि मैसर्स अल्काइल अमीन्स केमिकल लिमिटेड (जिसे आगे आवेदक/घरेलू उद्योग कहा गया है) ने अधिनियम और नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया था जिसमें चीन जन. गण. (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित मोनोइसोप्रोपिल अमींस (जिसे आगे संबद्ध सामान कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया था और संबद्ध सामानों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए जांच शुरू किए जाने का अनुरोध किया गया था।

2. और जबकि प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत पाटन, क्षति और कारणात्मक संपर्क के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर तथाकथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव निर्धारित करने के लिए और पाटनरोधी शुल्क, यदि लगाया जाता है, की राशि, जो घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश करने के लिए संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित, नियमावली के नियम 6(1) के अनुसार 15 फरवरी, 2017 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की।

क. प्रक्रिया

3. प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त जांच की शुरुआत अधिसूचित करने वाली सार्वजनिक सूचना जारी किए जाने के बाद इस जांच के संबंध में निम्नलिखित सूचना जारी किए जाने के बाद इस जांच के संबंध में निम्नलिखित निर्धारित प्रक्रिया अपनाई गई है।

- i. नियम 5 के उप नियम 5 के अनुसार प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग से पाटनरोधी जांच शुरू किए जाने के अनुरोध वाला आवेदन प्राप्त होने के संबंध में भारत में संबद्ध देश के दूतावास को सूचित किया।
- ii. नई दिल्ली में संबद्ध देश के दूतावास को नियम 6(2) के अनुसार जांच शुरू किए जाने के संबंध में सूचित भी किया गया।
- iii. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, भारत में ज्ञात आयातकों तथा उनके पास एवं घरेलू उद्योग के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार अन्य हितबद्ध पक्षकारों को जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रति भेजी। उस जांच के पक्षकारों से अनुरोध किया गया था कि वे प्रश्नावली के उत्तर दायर करें और निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपने ज्ञात विचार लिखित में दें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची के साथ संबद्ध देश के दूतावास को भी भेजी गई थी जिसमें यह अनुरोध किया गया था कि वे संबद्ध देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें कि वे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर दें।
- iv. घरेलू उद्योग द्वारा याचिका के अगोपनीय रूपांतर की प्रति उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देश के दूतावास को उपलब्ध कराया गया था।
- v. निर्यातक प्रश्नावलियां संगत सूचना प्राप्त करने के लिए नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को भेजी गई थीं।
 - क. मैसर्स ताईझोऊ जियाने केमिकल कं. लि.
 - ख. मैसर्स झेजियांग जिनहुआ केमिकल कं. लि.
 - ग. मैसर्स देझाऊ देतियन केमिकल कं. लि.
- vi. संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यायित सामानों का निर्यात करने वाले निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं:
 - क. मैसर्स ताईझोऊ जियाने केमिकल कं. लि.
 - ख. मैसर्स अन्हुई हायोयून केमिकल ग्रुप कं. लि.
 - ग. मैसर्स झेजियांग जिनहुआ केमिकल कं. लि.
- vii. उपर्युक्त उत्तरों के अलावा किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई अनुरोध नहीं किए।
- viii. नियम 6(4) के अनुसार निर्धारित प्रपत्र में आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध सामानों के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों एवं उपभोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थी:
 - क. मैसर्स कृष्णा साल्वकेम लि.
 - ख. मैसर्स ओसी स्पेस्लिटीज प्रा. लि.
 - ग. मैसर्स के. रसिकलाल एक्जिम प्रा. लि.
 - घ. मैसर्स न्यूटन फार्मास्यूटिकल प्रा. लि.
 - ङ. मैसर्स मेदी फार्मा ड्रग हाउस
 - च. मैसर्स वीनस इंटरनेशनल
 - छ. मैसर्स एग्रो लाइफ साइंस कारपोरेशन
 - ज. मैसर्स केमो इंडिया
 - झ. मैसर्स ओरियन केम प्रा. लि.
 - ञ. मैसर्स लिओ केमप्लास्ट प्रा. लि.
 - ट. मैसर्स केतन केमिकल कार्पोरेशन
 - ठ. मैसर्स रतनचंद एवं कंपनी
 - ड. मैसर्स डीएएससी केमिकल इंडस्ट्रीज प्रा. लि.
 - ढ. मैसर्स लक्ष्मी सारस केम टेक प्रा. लि.
 - ण. मैसर्स कोप्रान रिसर्च लैबोरेटरीज लि.
 - त. मैसर्स कोरोमंडल इंटरनेशनल लि.
 - थ. मैसर्स इंसेक्टीसाइड इंडिया लि.
 - द. मैसर्स अतुल लि.
 - ध. मैसर्स फ्लेमिंग लैबोरेटरीज लि.
 - न. मैसर्स एक्सेल क्राफ केयर लि.
 - प. मैसर्स वर्डेट लाइफ साइंसेस प्रा. लि.
 - फ. मैसर्स जय श्री रसायन उद्योग लि.

- ब. मैसर्स पॉलीड्रग लैबोरेटरीज प्रा. लि.
 भ. मैसर्स सीटीएक्स लाइफ साइंसेस प्रा. लि.
 म. मैसर्स आईपीसीए लैबोरेटरीज लि.
 य. मैसर्स एचपीएम केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लि.
 कक. मैसर्स मलाडी ड्रग एवं फार्मास्यूटिकल्स लि.
 खख. मैसर्स मेघमणि ऑर्गेनिक्स लि.
 गग. मैसर्स अमरी इंडिया प्रा. लि.
 घघ. मैसर्स क्रिस्टल क्राफ प्रोटेक्शन प्रा. लि.
 डड. मैसर्स हेरनबा इंडस्ट्रीज लि.
 चच. मैसर्स संगरोज लैबोरेटरीज प्रा. लि.
 छछ. मैसर्स एग्रो अलाइड वेंचर्स प्रा. लि.
- ix. संबद्ध सामानों के निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने आयातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं:
 क. मैसर्स ओसी स्पेसेटिलीज प्रा. लि.
 ख. मैसर्स मेघमणि आर्गेनिक्स लि.
 ग. मैसर्स इंसेक्टीसाइड्स इंडिया लि.
 घ. मैसर्स क्रिस्टल क्राफ प्रोटेक्शन प्रा. लि.
- x. पिछले तीन वर्षों की अवधि के लिए तथा जांच की अवधि के लिए संबद्ध सामानों के आयातों के लेन-देनवार ब्यौरे प्रदान करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एवं एस) से अनुरोध किया गया था जो प्राधिकारी को प्राप्त हो गए थे। प्राधिकारी ने लेन-देनों की समुचित जांच तथा असंबद्ध उत्पादों से संबंधित आंकड़ों की उपेक्षा करने के बाद आयातों की मात्रा के परिकलन के लिए डीजीसीआई एवं एस के आंकड़ों पर विश्वास किया है।
- xi. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय रूपांतर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुली रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया।
- xii. सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध सामानों की अधिकतम उत्पादन लागत तथा निर्माण लागत और बिक्री लागत निकाली गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा। प्राधिकारी द्वारा क्षतिरहित कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-3 के तहत निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार किया गया है।
- xiii. प्राधिकारी ने नियम 6(6) के अनुसार मौखिक रूप से संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को अवसर प्रदान करने हेतु 02.01.2018 को एक मौखिक सुनवाई की जिसमें घरेलू उद्योग के प्रतिनिधियों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने भाग लिया। मौखिक सुनवाई के समय मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने वाले हितबद्ध पक्षकारों को सलाह दी गई थी कि वे मौखिक रूप से व्यक्त अपने विचारों को लिखित रूप में दायर करें। हितबद्ध पक्षकारों को विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों के प्रत्युत्तर में अनुरोध प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।
- xiv. घरेलू उद्योगों के आंकड़ों और सहयोगी निर्यातकों के आंकड़ों के स्थल सत्यापन पर उन्हें आवश्यक समझी जाने वाली सीमा तक लिया गया था।
- xv. इस जांच की अवधि के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों का, जहां तक संगत पाए गए, इस जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा समाधान कर दिया गया है।
- xvi. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक था, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया और वह सूचना गोपनीय मानी गई है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों का निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना के पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर दें।
- xvii. जहां किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की अवधि के दौरान आवश्यक सूचना तक पहुंच से इंकार किया है अथवा अन्यथा प्रदान नहीं की है अथवा जांच में काफी अड़चन डाली है, वहां प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम में रिकार्ड किया है।
- xviii. प्रकटन विवरण 22.1.2018 को जारी किया गया था जिसमें निर्दिष्ट प्राधिकारी के विचार के तहत अनिवार्य तथ्य निहित थे और जिसमें प्रकटन विवरण पर टिप्पणियां, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने के लिए 29.1.2018 तक का समय दिया गया था। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त प्रकटन पश्चात् टिप्पणियों पर उचित रूप से विचार किया।

- xix. इस अधिसूचना में *** हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना दर्शाती है और नियमों के तहत प्राधिकारी ने उसी वही माना है।
- xx. यह जांच जुलाई, 2015 से शुरू होकर सितंबर, 2016 (15 माह) तक जांच की अवधि के लिए की गई थी। तथापि, क्षति जांच में 2013-14, 2014-15, 2015-16 की अवधि और जांच की अवधि शामिल है।
- xxi. प्राधिकारी ने जांच की अवधि (जुलाई, 2015 से सितंबर, 2016 तक) के लिए भारित औसत विनिमय दर 67.06 रूपए/अमरीकी डालर ली है।

ख. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

ख.1 घरेलू उद्योग के विचार

4. घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद 'मोनोइसोप्रापिल अमीन' है जिसे एमआईपीए के रूप में भी जाना जाता है, जो एक आर्गनिक समिश्रण अमीन है। यह अमीन के लिए विशिष्ट के रूप में एक आधार है। यह अमोनिया जैसे रूप में हाइड्रोस्कोपिक रंगहीन द्रव है। इसका मेलिंग प्वाइंट -95.2⁰से. है और इसका बायलिंग प्वाइंट 32.4⁰से. है। यह जल में घुलनशील है। यह -37⁰से. पर फ्लैश प्वाइंट में अत्यधिक ज्वलनशील है। यह सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय 29 के तहत वर्गीकृत है।
- एमआईपीए निर्जल (99.5%) में उत्पादित किया जाता है। न्यूनीकृत रूप को निर्जल रूप में जल मिलाकर प्राप्त किया जाता है जो एमआईपीए के संकेद्रण को 70% तक कम करता है। इसे अनुप्रयोग अथवा अंतिम प्रयोग के आधार पर वाणिज्यिक रूप से निर्जल स्वरूप अथवा 70% स्वरूप दोनों में बेचा जाता है।
- इसोप्रापिलामिन के मुख्य प्रयोग ग्लाइफोसेट हर्बिसाइड स्वरूपों में होते हैं, जो (अन्य हर्बिसाइड) का मुख्य घटक है, प्लास्टिक के लिए विनियामक तत्व है, लेपन सामग्री, प्लास्टिक्स, पेस्टिसाइड, रबड़ केमिकल, फार्मास्यूटिकल्स तथा अन्य के आर्गनिक संश्लेषण में मध्यवर्ती है, और पेट्रोलियम उद्योग में एक योजक के रूप में है।
- चीनी और भारतीय उत्पादक की उत्पादन प्रौद्योगिकी में बहुत कम अंतर है। जो भी हो, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने बार-बार माना है कि घरेलू उद्योग और विदेशी उत्पादकों द्वारा अपनाई गई उत्पादन प्रक्रिया अथवा प्रौद्योगिकी में अंतर पाटनरोधी जांचों के प्रयोजन के लिए पूरी तरह से नगण्य है, जब तक कि यह सिद्ध न हो जाए कि परिणामी उत्पाद स्वयं में भिन्न है।
- संबद्ध सामान दो तरीकों से बनाए जा सकते हैं, यथा इसोप्रापिल अल्कोहल के विनिर्माण के लिए एसीटोन में हाइड्रोजन मिलाकर तथा संबद्ध सामान के निर्माण के लिए इसोप्रापिल अल्कोहल का सीधे उपभोग करे। सारभूत रूप से इसोप्रापिल अल्कोहल का विनिर्माण करने के लिए लगाई गई लागत कुल मिलाकर इसोप्रापिल अल्कोहल प्राप्त करने के लिए खर्च की गई लागत के समान होती है। इसके अतिरिक्त, सबसे अच्छा तो उसे पिछड़ा एकीकृत उत्पादक के रूप में माना जा सकता है।

ख.2 निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

5. विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के संबंध में निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं।

- पाटन एवं क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए तथा एक-एक कर तुलना के लिए कच्ची सामग्री/उत्पादन प्रक्रिया को कारक माना जाना चाहिए।
- याचिकाकर्ता इसोप्रापिल अल्कोहल मार्ग को अपनाता है जोकि निर्यातक/उत्पादक द्वारा प्रयुक्त एसीटोन मार्ग से भिन्न है। दोनों कच्ची सामग्री के बीच लागत में अंतर लगभग 20-25% का है।
- वर्ष 2015-16 और 2016-17 के लिए एसीटोन और आईपीए के लिए डीजीसीआई एवं एस द्वारा प्रकाशित आंकड़ों से देखी जा सकने वाली कीमत में अंतर यह है कि इस अवधि में एसीटोन 40 रूपए से 46 रूपए प्रति किलोग्राम की श्रेणी में था जबकि आईपीए 52 रूपए से 56 रूपए प्रति कि.ग्रा. की श्रेणी में था।
- घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एमआईपीए उसके अंतिम प्रयोग के मद्देनजर समान वस्तु हो सकता है। तथापि, लागत और कीमत में अंतर के लिए समायोजन करने हेतु कोई भी चीज नियम में बाधित नहीं करती ताकि एक-एक करके तुलना की जाए।

ख. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

6. विचाराधीन उत्पाद 'मोनोइसोप्रापिल अमीन' है, जिसे एम आई पी ए के रूप में भी जाना जाता है जो एक ऑर्गेनिक समिश्रण अमीन है। यह अमीन के लिए विशिष्ट रूप में एक आधार है। यह अमानियम जैसे रूप में हाइड्रोस्कोपिक रंगीन द्रव है। इसका मेलिंग प्वाइंट -95.2 डिग्री सेण्टीग्रेड है और इस बायलिंग प्वाइंट 32.4 डिग्री सेण्टीग्रेड है। यह जल में घुलनशील है। यह -37 डिग्री सेण्टीग्रेड पर फ्लैश प्वाइंट में अत्यधिक ज्वलनशील है। एमआईपीए निर्जल (99.5 प्रतिशत) में उत्पादित किया जाता है। न्यूनीकृत रूप को निर्जल रूप में जल मिलाकर प्राप्त किया जाता है जिसका संकेद्रण स्तर क्रेता की आवश्यकता के अनुसार अपेक्षित स्तर तक कम किया जाता है। इसे अनुप्रयोग अथवा अंतिम प्रयोग के आधार पर निर्मल स्वरूप अथवा एक्वेटिक स्वरूप दोनों में वाणिज्यिक रूप से बेचा जाता है।

7. आइसोप्रोपाईल अमीन के मुख्य प्रयोग ग्लाइकोसेट हर्बिसाइड स्वरूपों में होते हैं, जो अट्राजिन (अन्य हर्बिसाइड) का मुख्य घटक है, प्लास्टिक के लिए विनियामक तत्व है, लेपन सामग्री, प्लास्टिक, पेस्टिसाइड, रबड़ केमिकल, फामास्यूटिकल्स तथा अन्य के ऑर्गेनिक संश्लेषण में मध्यवर्ती है और पेट्रोलियम उद्योग में एक योजक के रूप में है।

8. विचाराधीन उत्पाद सीमा प्रशुल्क अधिनियम 1975 के उप शीर्ष 29211190 के तहत अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और किसी भी तरह संबंध जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

9. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबंध सामानों और संबंध देश से भारत में आयातित संबंध सामानों में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित और भारत में आयातित संबंध सामान भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, प्रकार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विशिष्टियों, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा सामानों के प्रशुल्क वर्गीकरण की दृष्टि से तुलनीय हैं। वे तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता घरेलू रूप से विनिर्मित और आयातित संबंध सामानों का प्रयोग परस्पर परिवर्तनीय रूप से कर रहे हैं।

10. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि आधारभूत कच्ची सामग्री भिन्न है, तो यह नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ता सामानों का उत्पादन आइसोप्रापिक अल्कोहल के माध्यम से करता है जबकि उत्तरदाता निर्यातक ने एसीटोन की पहचान एक कच्ची सामग्री के रूप में की है। तथापि कच्ची सामग्री के रूप में एसीटोन के प्रयोग का अभिप्राय पहले आइसोप्रापिक अल्कोहल के उत्पादन से है और उसके बाद उसी प्रक्रिया को अपनाने से है जो याचिकाकर्ता द्वारा अपनाई जा रही है। इस प्रकार यह माना जा सकता है कि जब याचिकाकर्ता और चीनी उत्पादक दोनों की उत्पादन प्रक्रिया समान है तो चीनी उत्पादक समेकित रूप से पिछड़ा है। तथापि यह मानते हुए कुछ भी ख़ास नहीं है कि इनपुट के स्रोत से प्रक्रिया भिन्न नहीं हो जाती। इसके अतिरिक्त, चूंकि अपनाई गई प्रक्रिया समान है और अंतर केवल कच्ची सामग्री के स्रोत में है तो इससे कानून के तहत सही तुलना का प्रावधान नहीं बनता। इस प्रक्रिया से अंतिम उत्पाद में कोई अंतर नहीं आता। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने यह सिद्ध नहीं किया है कि उत्पाद भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, प्रकार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विशिष्टियों, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा सामानों के प्रशुल्क वर्गीकरण की दृष्टि से भिन्न हैं।

11. उपर्युक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित सामान नियमावली के नियम 2(घ) के अभिप्राय के अंतर्गत संबंध देश से आयातित उत्पाद की समान वस्तु के रूप में माने जा रहे हैं।

ग. घरेलू उद्योग और आधार

ग. 1 घरेलू उद्योग के विचार

12. घरेलू उद्योग ने घरेलू उद्योग और आधार के क्षेत्र के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- I. यह याचिका विचाराधीन उत्पाद के घरेलू उत्पादक के रूप में मैसर्स अल्काइल अमीन्स केमिकल्स लि. द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि भारत में संबंध सामानों का कोई अन्य उत्पादन नहीं है और याचिकाकर्ता एकमात्र उत्पादक है।
- II. चूंकि याचिकाकर्ता देश में संबंध सामानों का एकमात्र उत्पादक है अतः याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि इस दृष्टि से उन्हें घरेलू उद्योग माना जाना चाहिए।
- III. याचिकाकर्ता का यह भी दावा है कि वह देश में संबंध सामानों के किसी भी निर्यातक अथवा आयातक से संबंध नहीं है और न ही उसने भारत में संबंध देश से तथाकथित पाटित सामानों का आयात किया है।
- IV. याचिकाकर्ता कंपनी अन्य अमीन्स का उत्पादन भी करती है जिनका प्रयोग संयंत्र क्षमताओं का उपयोग करने के लिए अन्य विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है। याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि संयंत्र की क्षमता को विचाराधीन उत्पाद के लिए और अन्य उत्पाद के लिए क्षमता के नियोजन के आधार पर विचाराधीन उत्पाद और अन्य उत्पादों में विभाजित किया जा सकता है।
- V. तथापि यह स्पष्ट किया जाता है कि संयंत्र की स्थापना विचाराधीन उत्पाद के लिए की गई है न कि अन्य उत्पादों के लिए, याचिकाकर्ता देश में विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण केवल अन्य उत्पादों पर संयंत्र की क्षमताएं लगाने के लिए बाध्य रहा है।

ग.2 निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

13. घरेलू उद्योग के आधार एवं क्षेत्र के संबंध में निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :-

- i. आवेदक अधिकतर अन्य उत्पादों के उत्पादन में लगा हुआ है और उसे संबंध सामानों के घरेलू उत्पादक के रूप में नहीं माना जा सकता।
- ii. एम आई पी ए के उत्पादक के रूप में याचिकाकर्ता की विश्वसनीयता मापने का प्राधिकार – कंपनी ने पूरी क्षति अवधिके दौरान न्यूनतम क्षमता उपयोग दर्शाया है और कंपनी का ध्यान अन्य उत्पादों के उत्पादन पर था।

- iii. कंपनी का ध्यान ऐतिहासिक रूप से एम आई पी ए पर नहीं था तथा कंपनी अन्य उत्पादों के उत्पादन में लगी हुई थी और इसीलिए संतुष्ट नहीं कर सकती कि "समान वस्तु के विनिर्माण में लगी हुई थी"।
- iv. ध्यान सर्वाधिक लाभप्रद अमीन्स पर है। उसे समान वस्तु का विनिर्माण करने वाला घरेलू उत्पादक नहीं का जा सकता : प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे यह सुनिश्चित करें कि 7 संयंत्रों में कुल 30,000 मी.ट. में से एम आई पी ए के लिए 5,000 मी.ट. क्षमता की पहचान कैसे की गई है। विनिर्मित अन्य सभी उत्पाद भी प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

ग. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

14. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदन मैसर्स अल्काईल अमीन्स केमिकल्स लि. ने दायर किया है जो भारत में विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र घरेलू उत्पादक है। आवेदक का भारत में संबद्ध सामानों के कुल भारतीय उत्पादन में 100 प्रतिशत नियंत्रण है क्योंकि देश में संबद्ध सामानों का अन्य कोई उत्पादक नहीं है। यह भी नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ता ने संबद्ध सामानों का आयात नहीं किया है और न ही वे उसके किसी आयातक अथवा निर्यातक से संबंध रखते हैं।

15. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि घरेलू उद्योग समान वस्तु के विनिर्माण में नहीं लगा हुआ है क्योंकि संबद्ध वस्तु केंद्रीभूत उत्पाद नहीं है, अतः उसकी जांच की गई है और पाया गया कि घरेलू उद्योग के पातालगंगा में दो संयंत्र हैं, एक मिथाइल उत्पादों के उत्पादन के लिए है और दूसरा पूर्ण रूप से संबद्ध सामानों के लिए है। इस प्रकार संयंत्र विचाराधीन उत्पाद के लिए स्थापित है न कि अन्य उत्पादों के लिए। वस्तुतः संयंत्र के खाली होने की दृष्टि से क्षमता को अन्य उत्पादों के लिए लगाया गया था। तथापि इसका अभिप्राय यह नहीं हो जाता कि याचिकाकर्ता का ध्यान अन्य उत्पादों की ओर चला गया है। उपर्युक्त संयंत्र की क्षमता 9900 मी.ट. है और वर्तमान प्रयोजन के लिए उस पर ही विचार किया गया है। इस प्रकार घरेलू उद्योग प्रमुख रूप से समान वस्तु के विनिर्माण में लगा हुआ है और नियम 2(ख) की दृष्टि से वह पात्र घरेलू उद्योग है तथा उपर्युक्त नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार आधार के मानदंड को पूरा करता है।

भारतीय उत्पादन का विवरण

क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि (वार्षिक)
1	याचिकाकर्ता	मी.ट.	***	***	***	***
		सूची	100	177	231	195
2	अन्य भारतीय उत्पादक	मी.ट.	0	0	0	0
3	कुल भारतीय उत्पाद	मी.ट.	566	999	1,306	1,105

	विवरण	यूओएम	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि (वार्षिक)
1	याचिकाकर्ता	%	100%	100%	100%	100%
2	अन्य भारतीय उत्पादक	%	0%	0%	0%	0%
3	कुल भारतीय उत्पाद	%	100%	100%	100%	100%

*पीओआई=जुलाई 2015 से सितंबर, 2016

घ. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

घ.1 घरेलू उद्योग के विचार

16. एम ईटी, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं :
- अभिगमन नयाचार का एक प्रावधान 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को चाहिए कि वे चीनी उत्पादकों को निम्नलिखित कारणों से गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन करने वाले उत्पादकों के रूप में मानते हुए वर्तमान जांच में कार्यवाही करें।
 - वर्तमान मामले में प्राधिकारी द्वारा मानी गई जांच की अवधि जुलाई, 2015 से सितंबर, 2016 तक (15 माह) है। क्षति जांच अवधि 2013-14, 2014-15, 2015-16 और जांच की अवधि मानी गई है।
 - जांच की अवधि निर्धारित करने का प्रयोजन उस अवधि को मानना है जब क्षति पहुंचाने वाले पाटन की मौजूदगी का दावा किया जाए और उसे सिद्ध किया जाए। निर्धारण की तारीख, घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले पाटन का प्रश्न उठाने के लिए संगत

नहीं है। चूंकि घरेलू उद्योग क्षति पहुंचाने वाले पाटन का तथ्य जांच की अवधि के आधार पर सिद्ध है, अतः अकेले जांच की अवधि के दौरान विद्यमान स्थितियों को इस प्रयोजन के लिए संगत, उचित और आवश्यक माना जाना चाहिए।

- iv. चीनी उत्पादकों को इस कारण से गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनियों के रूप में माना जाना अपेक्षित है कि चीन में लागत एवं कीमतें पर्याप्त रूप से बाजार-बलों को नहीं दर्शातीं। अनुबंध – 1 के पैरा 8 में मानदंड विनिर्दिष्ट हैं जिन पर बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर प्रदान करने के लिए विचार किया जाना चाहिए। इसका अभिप्राय यह भी है कि जब तक ये शर्तें पूरी न हो जाएं तब तक चीनी लागतें एवं कीमतें स्वीकार नहीं की जा सकतीं।
- v. बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर मानना जांच की अवधि के दौरान मौजूद मानदंडों पर आधारित होता है। चूंकि चीनी लागतों और कीमतों को रद्द करने का कारण अनुबंध – 1 के पैरा 8 में सूचीबद्ध कारकों के कारण चीन में लागतों और कीमतों का विरूपण है, अतः याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि जांच की अवधि ही यह निर्णय करने के लिए संगत है कि चीनी उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था कंपनी है या नहीं।
- vi. चूंकि चीनी कंपनियों को दिसंबर, 2016 तक अनुबंध – 1 के पैरा 8 में उल्लिखित कारणों से बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर नहीं दिया गया है अतः याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि चीनी उत्पादकों को उस समय तक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनियों माना जाना अपेक्षित है। जब तक जांच की अवधि में अभिगम संधि नयाचार में विनिर्दिष्ट अवधि शामिल न हो जाए।
- vii. नियम 2(ख) के संदर्भ में यह सुस्थापित कानूनी स्थिति है कि किसी घरेलू उत्पादक अथवा किसी निर्यातक या आयातक के साथ उसके संबंधी द्वारा आयातों की जांच, जांच की अवधि के संदर्भ में की जाती है। यदि अकेले जांच की अवधि आधार के प्रयोजनों के लिए संगत है तो सामान्य मूल्य निर्धारण के लिए अकेले जांच की अवधि संगत होनी चाहिए।
- viii. चीनी उत्पादकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था परिवेश के तहत प्रचालन करने वाली कंपनियों के रूप में माना जाना अपेक्षित है और प्राधिकारी अनुबंध – 1 के पैरा- 7 के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने की कार्यवाही कर सकते हैं।
- ix. चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण इस कारण से बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा निर्मित मूल्य के आधार पर नहीं किया जा सकता कि संगत सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण निर्मित लागत के आधार पर ही किया जाना चाहिए।
- x. जिनहुआ ने उल्लेख किया है कि ऐसी कोई संबंधित कंपनी नहीं है जो विचाराधीन उत्पाद में शामिल हो। तथापि, सार्वजनिक अनुसंधान यह दर्शाता है कि जिनहुआ की एक शाखा कंपनी, जियांग्सी जिनक्सन केमिकल्स कंपनी लिमिटेड नाम से है जो संबंधित उत्पाद के इनपुट के उत्पादन में लगी है। संबंधित कंपनी ने उत्तर नहीं दिया है और उत्तरदाता कंपनी ने सूचना दबाई है, उसके द्वारा दायर उत्तर इस आधार पर भी रद्द किए जाने योग्य है।
- xi. ताइझोऊ जियाने केमिकल्स कंपनी लिमिटेड ने अपने उत्तर में उल्लेख किया है कि वह झेजियांग जियाने केमिकल्स कंपनी लि. की एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। यह भी दावा किया गया है कि झेजियांग जियाने केमिकल्स कंपनी लि. की दो सहायक कंपनियां हैं और किसी का भी संबंध सामानों के उत्पादन और/ अथवा बिक्री में लगे होने का दावा नहीं किया गया है।
- xii. सार्वजनिक अनुसंधान यह दर्शाता है कि मूल कंपनी का नाम भी झेजियांग जियांदे जियाने आर्गनिक केमिकल्स कंपनी लि. है। इस कंपनी की मौजूदगी के संबंध में व्यूरे और स्पष्टीकरण मांगा जाए।
- xiii. यह दावा किया गया है कि मूल कंपनी की दो और सहायक कंपनियां हैं, तथापि कुछ वेबसाइट लइझोऊ जियाने केमिकल कंपनी लिमिटेड के अलावा एक और सहायक कंपनी अर्थात् झांगझोऊ केमिकल कं.लि. और दर्शाती हैं तथा कुछ वेबसाइट दो सहायक कंपनियां अर्थात् हांगझोऊ केमिकल कंपनी लि. और जियांदे जियाने थर्मल पावर कंपनी लि. दर्शाती हैं। इसके अतिरिक्त, दूसरी वेबसाइट उल्लेख करती है कि दो सहायक कंपनियां अर्थात् हांगझोऊ जेनहुआ केमिकल कंपनी लि. और ताईझोऊ जियाने केमिकल कंपनी लिमिटेड हैं। सहायक कंपनियों की संख्या और उन सहायक कंपनियों के नामों के संबंध में कोई स्पष्टता नहीं है। दावे की सत्यता का सत्यापन किए जाने की आवश्यकता है।
- xiv. मूल कंपनी स्वयं संबद्ध सामानों का उत्पादन करती है। यह उत्पाद उसकी वेबसाइट पर उत्पाद के रूप में सूचीबद्ध है। तथापि, मूल कंपनी ने उत्तर नहीं दिया है। यह विगत मामलों से निर्दिष्ट प्राधिकारी का तय सिद्धांत है कि जब तक विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन या बिक्री में शामिल सभी कंपनियां उत्तर न दे दें तब तक अलग से पाटन मार्जिन प्रदान नहीं किया जाएगा। इस प्रकार उत्तर पूर्ण नहीं है और वह रद्द किया जाना चाहिए।
- xv. दायर किए गए संपूर्ण निर्यातक उत्तरों में से केवल एक अर्थात् झेजियांग जिनहुआ केमिकल कंपनी लि. ने बाजार अर्थव्यवस्था वाला माने जाने का दावा किया है। यह चीनी कंपनी सरकार द्वारा संचालित कारखाने से स्टॉक एंटरप्राइज में जिस तरह से गई है उसका सत्यापन/जांच किए जाने की आवश्यकता है, इन कंपनियों की बहियों में कैसे अंतरित हुआ और मौजूदा बाजार मूल्य के आलोक में उसकी स्वीकार्यता का भी कठोरता से सत्यापन किया जाए। बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर तब तक नहीं दिया जा सकता जब तक दस्तावेजी साक्ष्य के माध्यम से रूपांतरण की प्रक्रिया पूर्णतः सिद्ध न हो जाए।
- xvi. एक उत्तरदाता निर्यातक ने तर्क दिया कि " नाम में परिवर्तन" हुआ है और यह कि परिसंपत्तियां और विनिर्माण प्रक्रिया को मूल कंपनी अर्थात् झेजियांग जियाने केमिकल कंपनी लि. ने ले लिया है तथा यह कि झेजियांग जियाने केमिकल कंपनी लि. को अब पाटन मार्जिन दिया जाना चाहिए। उपर्युक्त हितबद्ध पक्षकार केवल नाम के परिवर्तन के रूप में कानूनी संरचना के परिवर्तन का

बहाना बनाने का प्रयास कर रहा है जब उसने वस्तुतः इस तथ्य को स्वीकार कर लिया है कि परिसंपत्तियों की बिक्री/खरीद और/अथवा अंतरण हो गया है और उपर्युक्त हितबद्ध पक्षकार को अन्य धारक कंपनी द्वारा ले लिया गया है।

- xvii. हितबद्ध पक्षकार ने यह दावा करते हुए दायर अनुरोधों के बाद नाम परिवर्तन का यह दावा उठाया है कि निर्यातक की मूल कंपनी है जो संबद्ध सामानों के उत्पादन में भी शामिल है और जांच में भाग नहीं लिया है। ऐसा प्रतीत होता है कि मूल कंपनी पूर्व में संबद्ध सामानों का उत्पादन कर रही थी और जब यह मुद्दा याचिकाकर्ता द्वारा उठाया गया था, के उत्तरदाता निर्यातक ने "नाम में परिवर्तन" की कहानी बताई। इस उत्तर को अन्य कारणों के अलावा इस पूरे झूठ के निमित्त रद्द किया जाना चाहिए जैसा कि पहले ही स्पष्ट किया गया है।

च.2 निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

17. एमईटी, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में निर्यातकों, आयातकों और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं :-

- i. झेजियांग, जिनहुआ केमिकल कं. लि. ने वर्तमान जांचों में समय का अभाव बताते हुए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का अपना दावा वापस ले लिया है। उन्होंने अनुरोध किया है कि यह लाभप्रद नहीं होगा क्योंकि उसे संबंधित चीन के प्राधिकारियों से लिया जाना होता और वर्तमान जांच एक समयबद्ध जांच होने के नाते उसे समायोजित नहीं किया जा सकेगा।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच – चीन एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में

18. * चाइनीज एसेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 में निम्नलिखित प्रावधान है:

"जीएटीटी का अनुच्छेद-VI, टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता, 1994 ("पाटनरोधी समझौता") के अनुच्छेद-VI के कार्यान्वयन पर समझौता तथा एससीएम समझौता निम्नलिखित के अनुरूप डब्ल्यूटीओ सदस्यों में चीन मूल के आयातों वाली कार्यवाहियों पर लागू होंगे:

(क) जीएटीटी के अनुच्छेद-VI और पाटनरोधी समझौते के तहत मूल्य की तुलना का निर्धारण करने में आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे या उस पद्धति को उपयोग करेंगे जो निम्नलिखित के आधार पर चीन में घरेलू मूल्यों अथवा लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने में आधारित नहीं है:

(i) यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती हैं तो निर्यात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।

(ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त अनुपालन पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग हैं।

(ख) एससीएम समझौते के पैरा II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राजसहायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए तब पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखती है और चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती हैं। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों का उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यमान निबंधन और शर्तों को ठीक करना चाहिए।

(ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-पैरा (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी कार्य समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को कमिटी ऑन सविसिडीज और काउंटर वेलिंग मैसर्स के लिए अधिसूचित करेगा।

(घ) आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को राष्ट्रीय कानून के तहत चीन ने एक बार यह सुनिश्चित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, तो उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्राप्ति की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ (क)(ii) के प्रावधान प्राप्ति की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त होंगे। इसके अलावा, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए आगे लागू नहीं होंगे।"

19. अनुच्छेद-15 का अभिप्राय है कि एक उप-पैरा के प्रावधान चीनी एसेसन की तारीख से 15 वर्ष में समाप्त हो जाएंगे। इस पैराग्राफ के प्रावधान 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गए। चूंकि घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले पाटन का तथ्य जांच की अवधि के आधार पर सिद्ध है, अतः अकेले जांच की अवधि के दौरान विद्यमान स्थितियां संगत, उपयुक्त और वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए आवश्यक हैं। वर्तमान समीक्षा के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि (पीओआई) जुलाई 2015 से सितंबर, 2016 है। चूंकि अनुच्छेद-15 का उप पैरा जांच की अवधि के दौरान अस्तित्व में था, अतः प्राधिकारी एक ऐसे सिद्धांत का प्रयोग कर सकते हैं जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों की सख्त तुलना पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक यह स्पष्ट रूप से न दर्शा सके कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां विद्यमान हैं।

20. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में चीन जन.गण. को भारत और डब्ल्यूटीओ सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। चीन जन.गण. को नियमावली के अनुसार निर्यातक देश अथवा अलग-अलग निर्यातकों द्वारा अवधारणा के खंडन के अध्यधीन गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है।

21. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित निर्यातक/उत्पादकों ने उत्तर दिया है और प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं :

- क. मै. ताईझोऊ जियाने कैमिकल कं. लि.
- ख. मै. अनहुई हाओयुआन कैमिकल ग्रुप कं. लि.
- ग. मै. झेजियांग जिनहुआ कैमिकल कं. लि.

22. प्राधिकारी नोट करते हैं कि झेजियांग जिनहुआ कैमिकल कं. लि., जिसने भी अपना दावा वापस ले लिया था, को छोड़कर किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने एमईटी का दावा नहीं किया है।

बाजार अर्थव्यवस्था दावों की जांच

23. पाटनरोधी नियमावली के पैरा-8, अनुबंध-1 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन का निर्यातक पैरा 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करता है और इसके प्रतिकूल सिद्ध करता है। चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में किए गए उल्लेख के अनुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

- क. कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
- ख. इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बट्टे-खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन है;
- ग. इस प्रकार की फर्मों दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- घ. विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है।

24. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. से झेजियांग जिनहुआ कैमिकल कं. लि. ने प्राधिकारी द्वारा जारी की गई जांच की शुरुआत को सूचना के परिणामस्वरूप बाजार अर्थव्यवस्था स्तर से संबंधित प्रश्नावली तथा निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है और गैर बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा का खंडन किया है। उत्तरदाता उत्पादकों और निर्यातकों के प्रश्नावली उत्तरों तथा बाजार अर्थव्यवस्था तथा बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तरों की संबद्ध सामानों के उत्तरदाता उत्पादकों/निर्यातक के सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए जांच की गई।

25. इसके अतिरिक्त, झेजियांग जिनहुआ कैमिकल कं. लि. ने 02 अगस्त, 2017 के पत्र द्वारा अपना बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा वापस ले लिया।

26. अतः चीन जन.गण. से निर्यातक एवं उत्पादक द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा वापस लिए जाने के मद्देनजर प्राधिकारी ने कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा प्रदान नहीं किया और नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार सामान्य मूल्य संबंधी निर्धारण के लिए निर्मित सामान्य मूल्य अपनाया है।

चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य निर्धारण

27. उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए अनुबंध-1 के पैरा-7 को ध्यान में रखते हुए सामान्य मूल्य निर्धारित किया है। भारत में चीन जन.गण. से आयातित संबद्ध उत्पादों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण प्रमुख कच्ची सामग्री के लिए घरेलू उद्योग के इष्टतम खपत मानदंडों, घरेलू उद्योग की कीमतों के अनुसार कच्ची सामग्री की लागत, परिवर्तन लागत, ब्याज, घरेलू उद्योग के लिए अनुमत स्तरों पर एस जी ए आदि को ध्यान में रखते हुए किया गया है। उचित लाभ के निमित्त ब्याज को छोड़कर 5 प्रतिशत बिक्री लागत की अनुमति दी गई है।

(ख) चीन में उत्तरदाता निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

28. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित चीनी उत्पादकों/निर्यातकों ने वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं :-

- क. मै. ताईझोऊ जिनये कैमिकल कं. लि.
- ख. मै. अनहुई हाओयुआन कैमिकल ग्रुप कं. लि.
- ग. मै. झेजियांग जिनहुआ कैमिकल कं. लि.

29. वर्तमान जांच की शुरुआत और ताईझोऊ जिनये कैमिकल कं. लि. द्वारा दायर निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर के अनुसरण में कार्यवाही की अवधि के दौरान यह अनुरोध किया गया था कि कंपनी के नाम में परिवर्तन हुआ है। इसकी दो अन्य सहायक कंपनियां हैं जो संबद्ध सामानों की निर्यातक नहीं हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ताईझोऊ जिनये कैमिकल कं. लि. उत्तरदाता निर्यातक है जिसने संबद्ध सामानों के उत्पादक तथा निर्यातक के रूप में निर्यातक प्रश्नावली में अपने उत्तर दायर किए हैं। प्रश्नावली का उत्तर दायर करने के बाद ताईझोऊ जिनये कैमिकल कं. लि. ने सूचित किया कि उसने अपना एम आई पी ए व्यापार प्रचालन झेजियांग जिनये कैमिकल कं. लि. अर्थात् ताईझोऊ जिनये कैमिकल कं.लि. की धारक कंपनी, में अंतरित कर दिया है। ताईझोऊ जिनये कैमिकल कं.लि. ने भी अनुरोध किया कि संबद्ध सामानों से संबंधित उसके सभी क्रियाकलाप धारक कंपनी अर्थात् झेजियांग जिनये कैमिकल कं. लि. के नाम पर प्रचालित किए जाते रहेंगे। दिनांक 15.09.2017 को स्थल सत्यापन की योजना बनाई गई थी जिसे शासकीय आवश्यकताओं के कारण स्थगित करना पड़ा था। परिवर्तित तथ्यों के साथ अनुरोध, स्थल सत्यापन के संबंध में निर्यातकों को सूचित कर दिए जाने के बाद 09.11.2017 को किए गए थे। अनुरोधों की जांच पर मामला सत्यापन के लिए अनुपयुक्त था।

30. इसके अतिरिक्त, निर्यातक प्रश्नावली को निम्नलिखित कारणों से अलग-अलग पाटन मार्जिन के प्रयोजन के लिए रद्द किया जाए।

- यह साधारण नाम परिवर्तन का मामला नहीं है। यहां दोनों कंपनियों के प्रचालन पूर्णतः भिन्न हैं और वे विशिष्ट हो सकते हैं अथवा नहीं हो सकते हैं; जिनके ब्यौरे जांच के लिए रिकार्ड में नहीं हैं।
- अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण केवल सहयोगी/उत्तरदाता उत्पादकों/निर्यातकों के लिए किया जाता है। यहां उस कंपनी द्वारा निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किए बिना पाटन मार्जिन के परिकलन के लिए एक नाम को दूसरे नाम में बदलने का अनुरोध किया गया है।

31. उत्तरों की जांच के बाद प्राधिकारी द्वारा निर्यातक के आंकड़ों का सत्यापन किया गया। डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों की जांच कर ली गई है। निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की जांच कर ली गई है। निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का सत्यापन किया गया और जांच के लिए निर्यातक- प्रश्नावली के परिशिष्टवार उत्तर लिए गए।

32. उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी ने निर्यात कीमत एवं पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों तथा बाद में प्राधिकारी द्वारा सत्यापित आंकड़ों को स्वीकार किया है।

33. प्राधिकारी ने रिकार्ड पर उपलब्ध तथ्यों के अनुसार अन्य उत्तर प्रस्तुत न करने वाले निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। इसलिए, प्राधिकारी ने रिकार्ड पर उपलब्ध तथ्यों के आधार पर चीन जन.गण. से सभी उत्तर प्रस्तुत न करने वाले निर्यातकों/उत्पादकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। उत्तर प्रस्तुत करने वाले निर्यातकों के लिए, जिनकी निर्यात कीमतों और कीमत समायोजनों का सत्यापन किया गया है, निर्यात कीमतों को उनकी परिशिष्टवार दी गई सूचना में भारत के लिए उन कीमतों और उनके द्वारा दावा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा सत्यापित किए गए सभी समायोजनों को ध्यान में रखने के बाद निर्धारित किया गया है। अन्य निर्यातकों के लिए, सीआईएफ निर्यात कीमत को समुद्री माल भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय माल भाड़ा, पत्तन व्ययों और बैंक कमीशन के लिए इन सहयोगी निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार समायोजित किया गया है।

34. उत्पादों को ड्रमों और टैंकरों में पैक किया गया है। संगणना के प्रयोजन हेतु दोनों के भारांशित औसत को ध्यान में रखा गया है।

35. इस प्रकार प्राप्त पाटन मार्जिन को नीचे सारणी के रूप में समूहवार दिया गया है:-

पाटन मार्जिन

	पाटन मार्जिन						
	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य अम.डॉ./ मी.टन	निवल निर्यात कीमतअम.डॉ./ मी.टन	पाटन मार्जिन अम.डॉ./ मी.टन	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन रेंज
1	अनहुई हाओ-युआन केमिकल ग्रुप कं. लि.	अनहुई हाओ-युआन केमिकल ग्रुप कं. लि.	***	***	***	***	60-70
2	झिजियांग जिंगहुआ केमिकल कंपनी लि.	झिजियांग जिंगहुआ केमिकल कंपनी लि.	***	***	***	***	65-75
3	अन्य	अन्य	***	***	***	***	70-80

ज. क्षति और कारणात्मक संबंध का निर्धारण

36. अनुबंध- II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम – II में व्यवस्था की गई है कि क्षति निर्धारण में ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जो घरेलू उद्योग को क्षति की ओर संकेत कर सकते हैं। “..... सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जिनमें पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनका प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के प्रभाव पर विचार करते हुए यह जांच करना आवश्यक समझा गया कि क्या भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा महत्वपूर्ण कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा रूप से महत्वपूर्ण स्तर तक कीमतों का न्यूनीकरण कर रहा है या कीमतों में होने वाली वृद्धि को रोकता है जो अन्यथा पर्याप्त रूप से बढ़ गई होती।

37. प्राधिकारी ने नोट किया है कि मै. अल्काइल एमाइंस केमिकल्स लि. ने पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण के लिए आवेदन दायर किया है जो भारत में विचाराधीन उत्पाद का एक घरेलू उत्पादक है और भारत में संबद्ध वस्तुओं के कुल उत्पादन के प्रमुख अंश पर नियंत्रण रखता है। नियमावली के नियम 2(ख) की शर्तों में, जांच के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता को घरेलू उद्योग माना गया है। इसलिए इस निर्धारण के प्रयोजनार्थ, याचिकाकर्ता की लागत और क्षति संबंधी जानकारी घरेलू उद्योग को स्थापित करते हैं जैसा कि नियम 2(ख) में परिभाषित किया गया है।

ज. 1. घरेलू उद्योग के विचार

38. क्षति और कारणात्मक संबंधों के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:-

- 2014-15 में मांग में वृद्धि हुई, किंतु 2015-16 में इसमें गिरावट आई। तत्पश्चात, पीओआई में मांग में वृद्धि हुई है। संबद्ध वस्तु प्राथमिक रूप से कृषि क्षेत्र में प्रयोग की जाती है। मांग में गिरावट फार्मा और कृषि उद्योग के अस्थायी पतन के कारण हुई मानी जानी चाहिए जिनमें संबद्ध वस्तु एक कच्ची सामग्री है।
- हालांकि, आयातों की मात्रा में मामूली गिरावट आई है किंतु यह मांग में गिरावट के परिणाम स्वरूप भी हुआ है। इसके बावजूद, संबद्ध देशों से आयात, देश में होने वाले कुल आयातों के लगभग 76% पर आधिपत्य रखता है। संबद्ध देश से आयात भारतीय उत्पादन के संबंध में लगभग 317% है और डी.आई.बिक्री के संबंध में 336% पर हैं।
- भारतीय बाजार में आयात एक महत्वपूर्ण मात्रा को अधिकृत करते हैं। 2015-16 में मांग में गिरावट संबद्ध देश से आयातों की मात्रा में आई कुछ गिरावट के कारण है। मांग में वृद्धि के साथ-साथ पीओआई में उसके पश्चात आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कीमत कटौती उल्लेखनीय रूप से उच्च है।
- बिक्री की लागत में आधार वर्ष से 2014-15 तक वृद्धि हुई है किंतु तत्पश्चात 2015-16 में इसमें गिरावट आई है और पीओआई में इसमें और कमी हुई है। बिक्री कीमत ने समान प्रवृत्ति का अनुसरण किया है। तथापि, 2014-15 के बाद से यह कीमत के लागत स्तर से नीचे बनी रही है। आयात कीमत तथा घरेलू उद्योग की लागत तथा बिक्री कीमत के लागत स्तर से निम्न बनी रही है जिसके परिणाम स्वरूप घरेलू बाजार में कीमत न्यूनीकरण घटित हुआ है।
- पहुंच कीमत और गैर-क्षतिकारक कीमत की तुलना स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमत क्षतिरहित कीमत से काफी कम है, जिसके परिणामस्वरूप उल्लेखनीय कीमत से कम कीमत पर बिक्री हुई।
- क्षमता उपयोग, उत्पादक और बिक्रियों के निष्पादन के संबंध में 2015-16 तक वृद्धि हुई और उसके पश्चात पीओआई में इसमें गिरावट आई। घरेलू उद्योग भारतीय मांग को प्रबंध करने की क्षमता होने के बावजूद केवल 22% उत्पादन कर रहा है।
- पीओआई के दौरान डी.आई. के बाजार हिस्से में गिरावट आई है जबकि आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है। डी आई अपने घरेलू बाजार का केवल 23% हिस्सा धारित करता है जबकि चीन बाजार हिस्से का 76% हिस्सा धारित करता है।

- viii) विक्रियों की लागत में आधार वर्ष 2014-15 तक वृद्धि हुई किंतु उसके पश्चात पीओआई में इसमें गिरावट आई है। विक्री कीमत ने भी समान प्रवृत्ति दर्शाई है किंतु 2014-15 के बाद से यह विक्री की लागत के स्तर से महत्वपूर्ण रूप से निम्न बनी रही है। लाभ/हानि, नकदी प्रवाह और नियोजित पूंजी ने आधार वर्ष 2014-15 के बाद से गिरावट दर्शाई है और पीओआई में अगाध रूप से खराब निष्पादन दर्शाते हुए, यह उसके बाद से ऋणात्मक बना रहा है।
- ix) माल सूची के स्तर महत्वपूर्ण रूप से उच्च स्तरों पर बने रहे हैं।
- x) क्षमता का उपयोग न किए जाने के कारण, याचिकाकर्ता पहले ही भारी हानियों को उपगत कर रहा है और घरेलू उद्योग पर पाटनका प्रभाव विपरीत रहा है।
- xi) पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक ही नहीं है बल्कि काफी है।

ज. 2. घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी दावों के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

- 39. क्षति और कारणात्मक संबंध के संबंध में निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:-
- i) याचिकाकर्ता ने एक ऐसी उत्पादन कार्य विधि अपनाई है जो लागत प्रभावी नहीं है। कार्यविधि में अंतर भी एक कारण है जिसे क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच के प्रयोजनार्थ पृथक किए जाने की आवश्यकता है।
- ii) याचिकाकर्ता से यह प्रमाणित करने के लिए कहा जाना चाहिए कि वे एमआईपीए के उत्पादन में संलग्न थे और अभी भी हैं।
- iii) कथित क्षति एमआईपीए का उत्पादन न किए जाने के कारण है और न कि कथित पाटित आयातों के कारण।
- iv) याचिकाकर्ता ने एक ऐसी उत्पादन कार्य विधि अपनाई है जो लागत प्रभावी नहीं है। कार्य विधि में अंतर भी एक ऐसा कारण है जिसे क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच के प्रयोजनार्थ पृथक किए जाने की आवश्यकता है।
- v) एमआईपीए कीटनाशक की लागत का लगभग 10% बनता है। याचिकाकर्ता एक अनुभवी उत्पादक नहीं है और अधिक लाभदायक उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करेगा।
- vi) वैयक्तिक पाटन मार्जिनों पर विचार किया जाना चाहिए।
- vii) किसी क्षति का सामना नहीं किया गया और तथ्य कारणात्मक संबंधों का उल्लंघन दर्शाते हैं।
- viii) 15 महीनों की पीओआई में से, 9 महीने वित्तीय वर्ष 2015-16 में आते हैं जो कृषि उद्योग में खराब निष्पादन से प्रभावित हुए हैं। ऐसे परिदृश्य में, समान अवधि में कथित पाटन के कारण क्षति का दावा अवास्तविक और अस्तित्वहीन है। अकेले इसी तथ्य से कारणात्मक संबंध के उल्लंघन का भी प्रमाण मिलता है।
- ix) डी आई के निष्पादन को पी ओ आई के लिए प्रत्येक तिमाही के आधार पर देखा जा सकता है और विशेष रूप से वित्तीय वर्ष 2016-17 की पहली दो तिमाहियों के लिए, यह सब क्षति के आरोपण के बारे में है और किसी वास्तविक क्षति के बारे में नहीं।
- x) याचिकाकर्ता जब लाभ प्राप्त कर रहा था तब इसने न्यूनतम एमआईपीए का उत्पादन किया और जब हानियां उठा रहा था तब अधिकतम उत्पादन किया। स्पष्टरूप से कंपनी का ध्यान अन्य वस्तुओं पर था और कथित क्षति पीयूसी के उत्पादन के अलग रहने के कारण हुई है।
- xi) डीआई का बाजार हिस्सा 16% से बढ़कर 232% हो गया, जबकि आयातों का हिस्सा गिरकर 79% से 76% रह गया।
- xii) पीओआई के दौरान कीमत प्रभाव, जो मुख्य रूप से वित्तीय वर्ष 2015-16 को शामिल करता है, कृषि उद्योग में खराब निष्पादन का कारण माना जाना चाहिए जैसा कि डीआई द्वारा उनके 15 मार्च, 2017 के अनुरोधों में कहा गया है।
- xiii) पीओआई में कर्मचारियों की संख्या में गिरावट आई है जबकि कुल मजदूरी में वृद्धि हुई है। इसकी जांच की जानी चाहिए।
- xiv) याचिकाकर्ता का ध्यान उत्पाद पर केंद्रित नहीं था और यह उनके उत्पादन से प्रमाणित होता है जो आधार वर्ष में 511 मी. टन था, जब मांग लगभग 5000 मी. टन थी और उत्पादन लाभ अर्जित कर रहा था। याचिकाकर्ता अब एमआईपीएस पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए केवल एडीडी की ओर देख रहा है।

झ. 3. प्राधिकारी द्वारा जांच

- 40. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति पर हितबद्ध पक्षकारों के विभिन्न अनुरोधों पर विचार किया है और रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों और प्रयोज्य कानूनों पर विचार करते हुए इसका विश्लेषण किया है।

क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच

- 41. एडी नियमावली के अनुबंध-II में निम्न दोनों की उद्देश्यात्मक जांच की व्यवस्था की गई है (क) समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में पाटित आयातों की मात्रा, कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव और और (ख) ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों

का परिणामी प्रभाव। पाटित आयातों की मात्रा प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी द्वारा यह जांच किए जाने की आवश्यकता है कि क्या पाटित आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है चाहे वह कुल रूप में हो अथवा भारत में उत्पादन या खपत के सापेक्ष में। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी द्वारा यह जांच किए जाने की आवश्यकता है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमतों की तुलना में पाटित आयातों द्वारा उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा रूप से कीमतों का महत्वपूर्ण स्तर तक न्यूनीकरण करता है अथवा कीमत में वृद्धि को रोकता है, जो अन्यथा पर्याप्त रूप से बढ़ गई होती।

ज. 1. पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव

क. मांग का आकलन

42. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ, भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्रियों और सभी स्रोतों से आयातों के जोड़ के रूप में भारत में उत्पाद की मांग या स्पष्ट खपत को परिभाषित किया है। इस प्रकार आकलित की गई मांग नीचे सारणी में दी गई है। प्राधिकारी ने नोट किया है कि 2015-16 में विचाराधीन उत्पाद की मांग में गिरावट आई है और उसके पश्चात इस में वृद्धि हुई है।

विवरण	यूओएम	2013-14	2014-15	2015-16	पीओआई-क
मांग					
संबद्ध देश	मी.टन	4,011	5,025	2,797	3,499
अन्य देश	मी.टन	267	126	26	48
डी आई घरेलू बिक्रियां	मी.टन	811	715	1,313	1,041
योग	मी.टन	5,088	5,866	4,137	4,588
मांग में बाजार हिस्सा					
संबद्ध देश	%	78.82	85.66	67.63	76.27
अन्य देश	%	5.24	2.15	0.63	1.05
डी आई घरेलू बिक्रियां	%	15.94	12.18	31.74	22.69
योग	%	100	100	100	100

43. केवल 2015-16 में संबद्ध देश के बाजार हिस्से में गिरावट आई है और पीओआई में इसमें दोबारा वृद्धि हुई जबकि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 2015-16 में वृद्धि हुई और उसके बाद पीओआई में इसमें गिरावट आई। घरेलू मांग का 76% भाग संबद्ध देश से आयातों द्वारा पूरा किया जाता है, बावजूद इसके कि घरेलू उद्योग के पास संपूर्ण घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है।

ख. आयात मात्रा और संबद्ध देश का हिस्सा

44. विभिन्न स्रोतों से आयातों की मात्रा और कीमतों की जांच के लिए, प्राधिकारी ने डीजीसीआई एंड एस के सौदावार आयात आकड़ों का आश्रय लिया है और विचाराधीन उत्पाद की पहचान करने के लिए उत्पाद विवरणों के आधार पर जांच की है। विश्लेषण के अनुसार, क्षति जांच अवधि के दौरान आयातों की मात्रा निम्नानुसार है:-

विवरण	यूओएम	2013-14	2014-15	2015-16	पीओआई-ए	पीओआई
आयात मात्रा						
संबद्ध देश	मी.टन	4,011	5,025	2,797	3,499	4,373
अन्य देश	मी.टन	267	126	26	48	60
घरेलू बिक्रियां	मी.टन	811	715	1,313	1,041	1,301
के संबंध में चीन से आयात						
भारतीय उत्पादन	%	709%	503%	214%	317%	317%
कुल आयात	%	93.77	97.55	99.07	98.64	98.64
भारतीय खपत	%	78.82	85.66	67.63	76.27	78.82

45. संबद्ध देश से आयातों में 2015-16 के दौरान गिरावट आई और इनमें इसके बाद पीओआई में वृद्धि हुई है और ये उल्लेखनीय रूप से उच्च स्तरों पर है, देश में आयातों की लगभग संपूर्ण मात्रा संबद्ध देश से प्राप्त की जाती है।

46. इसके अतिरिक्त, भारतीय उत्पादन और खपत के संबंध में भी 2015-16 में गिरावट आई है और पीओआई में इसमें दुबारा वृद्धि हुई है। पूर्ण क्षति अवधि के दौरान, उत्पादन और खपत के संबंध में आयात महत्वपूर्ण बने रहे हैं।

ज. 2. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

47. कीमतों पर पाटित आयातों के संबंध में, प्राधिकारी द्वारा यह विचार किए जाने की आवश्यकता है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना पाटित आयातों द्वारा महत्वपूर्ण कीमत कटौती की गई है और क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा रूप से कीमतों का महत्वपूर्ण स्तर तक न्यूनीकरण करता है या इनमें वृद्धि को रोकता है जो अन्यथा रूप से काफी मात्रा में बढ़ गई होती। तदनुसार, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की कीमत कटौती, कीमत से कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण के संदर्भ में जांच की गई है।

क. पाटित आयातों का कीमत कटौती प्रभाव

48. पूर्ण जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से पाटित आयातों के पहुंच मूल्य की घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री की गई संबद्ध वस्तुओं की निवल बिक्री वसूली के साथ तुलना के द्वारा कीमत कटौती को यह देखने के लिए निर्धारित किया गया है कि क्या आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में महत्वपूर्ण कटौती कर रहे हैं।

49. इस संबंध में, उत्पाद के पहुंच मूल्य और सभी छूटों तथा करों को घटा कर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के बीच व्यापार के समान स्तर पर तुलना की गई है। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की कीमत कटौती को निम्नानुसार तैयार किया गया है:-

विवरण	यूओएम	2013-14	2014-15	2015-16	पीओआई
आयातों की पहुंच कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	94	72	62
निवल बिक्री वसूली	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	103	78	75
कीमत कटौती	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	रेंज % में	1-10	5-15	5-15	15-20

50. प्राधिकारी ने नोट किया है कि आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के स्तर से निम्न है। अतः, आयात महत्वपूर्ण मार्जिन द्वारा घरेलू वस्तुओं में कीमत कटौती कर रहे हैं।

ख. पाटित आयातों का कीमत ह्रास, न्यूनीकरण प्रभाव

51. प्राधिकारी ने जांच की है कि क्या पाटित आयातों का प्रभाव भारत में समान वस्तु की कीमतों में ह्रास करने के लिए था या कीमत में वृद्धि को रोकने के लिए या जो अन्यथा रूप से बढ़ गई होती।

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	पीओआई
आयातों की पहुंच कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
	सूचकांक	100	94	72	62
बिक्रियों की लागत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
	सूचकांक	100	111	87	86
बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
	सूचकांक	100	103	78	75

52. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि क्षति अवधि में बिक्रियों की लागत और बिक्री कीमत में गिरावट आई है। तथापि, बिक्री कीमत में गिरावट लागत में गिरावट की तुलना में अधिक है। यह भी नोट किया गया है कि आयातों की पहुंच कीमत में गिरावट लागतों में गिरावट

की तुलना में काफी अधिक है और 2014-15 के बाद से बिक्रियों की समान लागत स्तर से नीचे बनी रही है। इस प्रकार, आयात घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को हासित कर रहे हैं।

ग. पाटित आयातों की कीमत से कम कीमत पर बिक्री

53. पाटित आयातों के हासित कीमतों पर बिक्री के प्रभाव की जांच करने के लिए, आयातों के पहुंच मूल्य की निर्धारित गैर-क्षति कारक कीमत के साथ जांच की गई है। प्राधिकारी ने नोट किया है कि कीमत से कम कीमत पर बिक्री क्षति के आकलन का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। गैर-क्षतिकारक कीमत को तैयार किया गया है और इसकी कीमत से कम कीमत पर बिक्री की सीमा तक पहुंचने के लिए संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य के साथ तुलना की गई है। क्षतिरहित कीमत के पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध- III के अनुसरण में पीओआई के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत पर विचार करते हुए निर्धारित किया गया है। विश्लेषण दर्शाता है कि पीओआई के दौरान, संबद्ध आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से काफी कम है जैसा कि नीचे दी गई सारणी से देखा जा सकता है:-

विवरण	यूओएम	एमआईपीए (भारांशित औसत)
एनआईपी	रु./कि.ग्रा.	***
पहुंच कीमत	रु./कि.ग्रा.	***
क्षति मार्जिन	रु./कि.ग्रा.	***
क्षति मार्जिन	रेंज % में	30-40

ज.3. अन्य क्षति कारकों की जांच

(i) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियों पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

54. नीचे दी गई तालिका नुकसान अन्वेषण अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता के उपयोग और बिक्री को दर्शाती है।

विवरण	इकाई	2013-14	2014-15	2015-16	पीओआई- ए **	पीओआई*
क्षमता – एमआईपीए संयंत्र	एमटी	9,900	9,900	9,900	9,900	12,375
तैनात क्षमता – एमआईपीए	एमटी	***	***	***	***	***
तैनात क्षमता – एमआईपीए	अनुक्रमित	100	100	100	100	100
तैनात क्षमता – गैर एमआईपीए	एमटी	***	***	***	***	***
तैनात क्षमता – गैर एमआईपीए	अनुक्रमित	100	100	100	100	100
उत्पादन – एमआईपीए	एमटी	***	***	***	***	***
उत्पादन – एमआईपीए	अनुक्रमित	100	177	231	195	195
उत्पादन – गैर एमआईपीए	एमटी	***	***	***	***	***
उत्पादन – गैर एमआईपीए	अनुक्रमित	100	39	33	36	36
कुल उत्पादन – एमआईपीए संयंत्र	एमटी	***	***	***	***	***
कुल उत्पादन – एमआईपीए संयंत्र	अनुक्रमित	100	64	69	65	65
क्षमता उपयोग – कुल क्षमता	%	6%	10%	13%	11%	11%
क्षमता उपयोग – तैनात एमआईपीए	%	11%	20%	26%	22%	22%
कुल उत्पादन में एमआईपीए उत्पादन अनुपात	%	18%	50%	61%	55%	55%

2. संबंधित पक्षों ने दलील दी है कि घरेलू उद्योग के पास विचाराधीन वस्तुओं के लिए समर्पित/पर्याप्त क्षमता नहीं है और यह मुख्य रूप से अन्य उत्पादों के प्रचालन से जुड़े हैं। यह नोट किया गया है कि संयंत्र पीयूसी के लिए स्थापित किया गया है और दूसरे उत्पादों के लिए नहीं। यद्यपि अन्य उत्पादों के लिए भी संयंत्र की क्षमता बनाई गई थी तथापि क्षमता अभी भी अधिकतर अनुपयोगित रही। याचिकाकर्ता के पास उत्पाद की अनुपयोगित क्षमताओं को देखते हुए याचिकाकर्ता ने कुछ क्षमता को अन्य उत्पादों के लिए लगाया है।

प्राधिकरण ने एमआईपीए संयंत्र में कुल उत्पादन और एमआईपीए संयंत्र में कुल उत्पादन में एमआईपीए के उत्पादन के हिस्से का विश्लेषण किया। यह देखा गया कि नुकसान की अवधि में एमआईपीए के उत्पादन का हिस्सा बढ़ा है। तथापि नुकसान की अवधि में एमआईपीए के लिए सुविधाओं के उपयोग में बढ़ोतरी के बावजूद घरेलू उद्योग का लाभ घटा है।

55. नीचे दिए गए रोजगार तथा पारिश्रमिक के आंकड़े 2014-15 में रोजगार में गिरावट को दर्शाते हैं और इसके बाद ये एक समान स्तर पर रहे हैं। नुकसान की अवधि में पारिश्रमिक बढ़ा है। यह नोट किया गया है कि 2015-16 तक प्रति दिन परिणाम के संदर्भ में उत्पादन बढ़ा है और उसके पाद पीओआई में घटा है।

संबंधित पक्षों द्वारा उठाए गए कर्मचारियों के कम होने और पारिश्रमिक के बढ़ने के मुद्दे के संबंध में यह नोट किया गया है कि जैसा कि पूर्व में दर्शाया गया है नुकसान की पूरी अवधि के दौरान एमआईपीए का उत्पादन बढ़ा है। रिकॉर्ड का सत्यापन करने के बाद यह पाया गया है कि पारिश्रमिक व्यय में वृद्धि उत्पादन में वृद्धि के कारण हुई है।

(ii) लाभ/हानि, नकदी प्रवाह, नियोजित पूंजी पर आय पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

56. लाभप्रदता माकपदों के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नानुसार है:-

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	पीओआई-वार्षिकी
लाभ/(हानि) प्रति यूनिट	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
	सूचकांक	100	(140)	(160)	(220)
नकद लाभ	लाख रु.	***	***	***	***
	सूचकांक	100	(13)	(178)	(208)
व्याज और कर पूर्व लाभ	लाख रु.	***	***	***	***
	सूचकांक	100	(124)	(292)	(308)
नियोजित पूंजी पर आय – एनएफए	%	***	(***)	(***)	(***)
	सूचकांक	100	71	138	167

57. यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग लाभप्रदता में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है और घरेलू उद्योग 2014-15 के बाद से हानियां वहन कर रहा है और यह अब और अधिक गहन हो गया है। नकद लाभ, पीवीआईटी और आर ओ आई ने भी समान प्रवृत्ति का अनुसरण किया है। घरेलू उद्योग 2014-15 के बाद से नकद हानियां उपगत कर रहा है और निवेश पर आय ऋणात्मक हो गई है।

(iii) रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

58. नीचे दिए गए रोजगार और मजदूरी संबंधी आंकड़े 2014-15 में रोजगार में गिरावट को इंगित करते हैं और इसके बाद ये स्थिर बने रहे हैं। क्षति अवधि के दौरान मजदूरी में वृद्धि हुई है। यह नोट किया गया है कि दैनिक आउटपुट के रूप में उत्पादकता में 2015-16 तक वृद्धि हुई और तत्पश्चात पीओआई में इसमें गिरावट आई है।

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	पीओआई-वार्षिकी
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
	सूचकांक	100	92	92	92
मजदूरी	लाख रु.	***	***	***	***
	सूचकांक	100	275	325	275
उत्पादकता	संख्या/दिन	***	***	***	***
	सूचकांक	100	150	200	150

(iv) माल सूचियों पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

59. माल सूची से संबंधित सूचना को नीचे सारणी से देखा जा सकता है:-

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	पीओआई-वार्षिकी
औसत भंडार	मी.टन	***	***	***	***
	सूचकांक	100	110	192	116

60. प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग की माल सूचियों में 2015-16 तक वृद्धि हुई है किंतु पीओआई के दौरान इनमें गिरावट आई है। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि क्षति के आकलन के लिए यह एक निश्चित मापदंड नहीं है क्योंकि घरेलू उद्योग पहले ही उत्पादन की लागत से काफी कम कीमत पर उत्पादों की बिक्री कर रहा है और केवल बाजार हिस्से को प्राप्त करने की चेष्टा में भारी हानियां उपगत कर रहा है।

(v) नए निवेश को जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

61. अनुप्रयुक्त पड़ी विद्यमान क्षमता और उपगत की जा रही हानियों के साथ, संयंत्र के लिए नए निवेश करने की घरेलू उद्योग की क्षमता प्रभावित हुई है और इससे पीयूसी का उत्पादन जारी रखने के घरेलू उद्योग के हित के प्रभावित होने की संभावना है।

(vi) वृद्धि पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

62. घरेलू उद्योग के निष्पादन का समग्र विश्लेषण दर्शाता है कि बिक्रियों, उत्पादन, क्षमता उपयोग, रोजगार, लाभ, नकदी प्रवाह और निवेश पर आय के रूप में घरेलू उद्योग ऋणात्मक वृद्धि का सामना कर रहा है। पीओआई के दौरान इन पैरामीटरों में गिरावट पर विचार करते हुए, इन पैरामीटरों पर पाटित आयातों का संभावित प्रभाव उल्लेखनीय रूप से नकारात्मक हो सकता है।

(vii) पाटन और पाटन मार्जिन की मात्रा

63. संबद्ध देश के लिए निर्धारित पाटित आयातों का पाटन मार्जिन न्यूनतम स्तर से महत्वपूर्ण रूप से अधिक है।

घ. क्षति मार्जिन

64. क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए आयातों के संबंधित पहुंच मूल्य को उचित तुलना के लिए पाटन-मार्जिन नियमावली के अनुबंध-III में निर्धारित किए गए सिद्धांतों के अनुसार निर्धारित किया गया है। निर्धारित क्षति मार्जिन निम्नानुसार है-

	क्षति मार्जिन						
	उत्पादक	निर्यातक	गैर क्षतिकारक कीमत	पहुंच मूल्य अमरीकी डॉलर/मी.टन	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन % रेंज
1	अनहुई हाउयुआन केमिकल ग्रुप कं. लि.	अनहुई हाउयुआन केमिकल ग्रुप कं. लि.	***	***	***	***	40-50
2	झिजियांग जिनहुआ केमिकल कं. लि.	झिजियांग जिनहुआ केमिकल कं. लि.	***	***	***	***	35-45
3	अन्य	अन्य	***	***	***	***	50-60

65. उपर्युक्त आंकड़े इंगित करते हैं कि संबद्ध देश से पाटित आयातों का क्षति मार्जिन सकारात्मक और उल्लेखनीय है।

ड. कारणात्मक संबंध और अन्य कारक

66. नियमावली प्राधिकारी द्वारा पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति और पाटित आयातों के बीच कारणात्मक संबंध की जांच करने को अनिवार्य बनाती हैं। प्राधिकारी ने जांच की है कि क्या अन्य ज्ञात कारक भी घरेलू उद्योग को क्षति का कारण बन सकते हैं। प्राधिकारी के नोटिस में लाए गए निम्नलिखित मुद्दों की अनिवार्य गैर-आरोपित कारकों सहित यह देखने के लिए जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों के अतिरिक्त अन्य कारक, यदि कोई हो, भी घरेलू उद्योग को क्षति में योगदान कर सकते हैं। तदनुसार, निम्नलिखित पैरामीटरों की जांच की गई है:-

(i) अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा और कीमतें

67. जांच किए गए आयात संबंधी आंकड़े दर्शाते हैं कि अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयात या तो न्यूनतम स्तर पर हैं अथवा उल्लेखनीय रूप से उच्च कीमतों पर हैं। इसलिए, अन्य स्रोतों से आयात घरेलू उद्योग को प्रभावित नहीं कर रहे हैं।

(ii) मांग में संकुचन और/अथवा उपभोग के पैटर्न में परिवर्तन

68. प्राधिकारी ने नोट किया है कि 2015-16 में घरेलू बाजार में उत्पाद की मांग में मामूली कमी आई है। तथापि, घरेलू उद्योग मांग के स्तर तक भी अपनी क्षमता का उपयोग करने में सक्षम नहीं है। इसलिए, मांग में संकुचन घरेलू उद्योग द्वारा उठाई जा रही क्षति का संभव कारण नहीं है।

(iii) व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

69. प्राधिकारी ने नोट किया है कि भारत में संबद्ध वस्तुओं का कोई अन्य उत्पादक नहीं है। जांचकी अवधि के दौरान आयातित वस्तुओं की मात्रा और मूल्य दर्शाते हैं कि वस्तुएं बिना किसी प्रतिबंध के भारतीय बाजारमें प्रवेश कर रही हैं। इसलिए, जांच यह नहीं दर्शाती है कि प्रतिस्पर्धा की स्थितियां अथवा व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां घरेलू उद्योग की कथित क्षति के लिए उत्तरदायी हैं।

(iv) प्रौद्योगिकी में विकास

70. की गई जांच प्रौद्योगिकी में किसी महत्वपूर्ण परिवर्तन या उद्योग में प्राथमिकताओं में किसी परिवर्तन को नहीं दर्शाती जो क्षेत्र को प्रभावित कर सकते हैं।

(v) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

71. घरेलू उद्योग ने पूर्ण क्षति जांच अवधि के दौरान कोई निर्यात बिक्री नहीं की है और इसलिए प्राधिकारी का विचार है कि घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन ने उद्योग को क्षति नहीं पहुंचाई है।

च. कारणात्मक संबंधों को स्थापित करने वाले कारक

72. क्षति अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन का विश्लेषण दर्शाता है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के निष्पादन में विकृति आई है। पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच सकारात्मक संबंध को निम्नलिखित आधारों पर स्थापित किया गया है:-

- क. आयातक घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, आयातों की मात्रा में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है;
- ख. पाटित आयातों के कारण हो रही कीमत कटौती ने घरेलू उद्योग को अपनी कीमतों को घटाने पर विवश किया है;
- ग. संबद्ध देश से पाटित आयातों के कीमत न्यूनीकरण प्रभावके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में उल्लेखनीय क्षरण हुआ है और परिणामस्वरूप वित्तीय हानियां हुई हैं;
- घ. महत्वपूर्ण मांग और क्षमता की विद्यमानता के बावजूद अपने उत्पादन, क्षमता उपयोग और बाजार हिस्से में वृद्धि करने से घरेलू उद्योग को रोका गया है;
- ड. लाभ में कमी, नियोजित पूंजी पर आय और नकदी लाभ प्रत्यक्ष रूप से पाटित आयातों का परिणाम है;
- च. घरेलू उद्योग की वृद्धि बिक्री कीमत, लाभप्रदता, नकद लाभ और आर ओ सी ई जैसे आर्थिक पैरामीटरों की संख्या के रूप में घरेलू उद्योग की वृद्धि ऋणात्मक हो गई है।

छ. प्रकटन पश्चात विवरण

73. प्रकटन पश्चात अनुरोध हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त हो गए हैं। उनमें जो मुद्दे उठाए गए हैं वे जांच के दौरान पहले ही उठाए जा चुके हैं तथा उनका समुचित रूप से समाधान भी कर दिया गया है। तथापि, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की स्पष्टता के लिए उनकी निम्नलिखित रूप में जांच की जा रही है :

छ.1 घरेलू उद्योग के विचार

74. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं :-

- i. याचिकाकर्ता इसोप्रोपिल एल्कोहल के माध्यम से सामानों का उत्पादन करता है जबकि उत्तरदाता निर्यातक ने ऐसीटोन की पहचान कच्ची सामग्री के रूप में की है। कच्ची सामग्री के रूप में ऐसीटोन के प्रयोग का अभिप्राय पहले इसोप्रोपिल एल्कोहल के उत्पादन से है और उसके बाद उसी प्रक्रिया को अपनाने से है जो याचिकाकर्ता द्वारा अपनाई जा रही है। यह कहा जा सकता है कि जब दोनों याचिकाकर्ता और चीनी उत्पादकों की उत्पादन प्रक्रिया समान है तो चीनी उत्पादक पिछड़ा एकीकृत है। इस प्रक्रिया से अंतिम उत्पाद में कोई अंतर नहीं आता है।
- ii. अन्य सामानों के उत्पादन में याचिकाकर्ता के लगे होने से संबंधित दावे और उसे घरेलू उद्योग के रूप में न मानने की आवश्यकता बिना किसी आधार के की गई है। घरेलू उद्योग के पातालगंगा में दो संयंत्र हैं, एक मिथाइल उत्पादों का उत्पादन करने के लिए और दूसरा संबद्ध सामानों के लिए पूर्णतः समर्पित है। संयंत्र के खाली होने के मद्देनजर क्षमता

को अन्य उत्पादों के लिए लगाया गया था जिसका अर्थ यह नहीं हो सकता कि घरेलू उद्योग का ध्यान संबद्ध सामानों पर नहीं था और/अथवा यह कि उपर्युक्त संयंत्र किसी अन्य उत्पाद के लिए था।

- iii. घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण क्षति हो रही है।
- iv. अंतिम निर्धारण में शुल्क अमरीकी डॉलर के संदर्भ में लगाया जाए। रूपए का काफी अवमूल्यन हुआ है और इसीलिए कृपया निश्चयात्मक शुल्क अमरीकी डॉलर में व्यक्त किए जाएं। आईएनआर के अवमूल्यन से कच्ची सामग्री, उपयोगी वस्तुओं की लागतों और अन्य लागतों पर प्रभाव पड़ा है।

छ.2 निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

75. निर्यातकों, आयातकों, और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं :-

- i. निर्यातक द्वारा निर्यातित विचाराधीन उत्पाद ऐसीटोन एक प्रमुख कच्ची सामग्री के रूप में है और निर्मित सामान्य मूल्य आधारभूत कच्ची सामग्री के रूप में आईपीए है। इन दोनों सामग्रियों की कीमत में अंतर पर्याप्त है। यद्यपि, विचाराधीन उत्पाद की समग्र प्रक्रिया अथवा अंतिम प्रयोग समान हो सकता है। इस प्रकार, आधारभूत कच्ची सामग्री की कीमत में इस अंतर से समायोजन की आवश्यकता है क्योंकि वही एक कारक है जो नियमों में किए गए प्रावधानों के अनुसार कीमत तुलनात्मकता को प्रभावित करता है।
- ii. याचिकाकर्ता ने आधार वर्ष में लगभग 566 मी.ट. का ही उत्पादन किया जबकि उपर्युक्त अवधि में एमआईपीए की मांग लगभग 5000 मी.ट. थी और याचिकाकर्ता इस अवधि में लाभ कमा रहा था। यह स्पष्ट नहीं है कि वह कौन सी बात है जिसमें उत्पादक को एमआईपीए का उत्पादन करने से रोका, फिर क्या उत्पादक वह है जो एमआईपीए के उत्पादन में लगा हुआ था।
- iii. प्रश्नगत उत्पादक विभिन्न अमीन्स का उत्पादक है और प्रश्नगत याचिकाकर्ता उत्पादक को एमआईपीए का कोई उत्पादक लाभ देकर पाटनरोधी शुल्क लगाने से एमआईपीए के प्रयोक्ताओं पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ सकता है क्योंकि याचिकाकर्ता एक बार फिर किसी अन्य उत्पाद की ओर अपना ध्यान पलट सकता है तथा याचिकाकर्ता के लिए एमआईपीए का उत्पादन करना अनिवार्य नहीं होगा।
- iv. वर्ष 2015-16 के दौरान मांग में कमी फार्मा और एग्रो उद्योग में अस्थायी गिरावट के कारण है जिस अवधि में संबद्ध सामान एक कच्ची सामग्री है। तथापि, प्राधिकारी ने कारणात्मक संपर्क की जांच करते समय प्रयोक्ता क्षेत्र में इस नकारात्मक स्थिति की कोई जांच नहीं की है। ऐसे अन्य कारणों से मांग में कमी से लाभप्रदता भी प्रभावित हो सकती थी और लाभप्रदता में इस कमी को आयातों के कारण नहीं कहा जा सकता।

छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

76. यह नोट किया जाता है कि प्रकटन पश्चात स्तर पर उठाए गए मुद्दों का प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त संगत पैराग्राफों में पहले ही जांच कर ली गई है। तथापि, अनुरोधों के संबंध में स्पष्टता के लिए उनका निम्नलिखित रूप में समाधान किया गया है :

- i. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि आधारभूत कच्ची सामग्री की कीमत में अंतरों का उचित समायोजन किए जाने की आवश्यकता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्तरदाता निर्यातक आईपीए का उत्पादन करने के लिए ऐसीटोन और हाइड्रोजन का प्रयोग करते हैं जो बदले में संबद्ध सामानों का उत्पादन करने के लिए प्रयोग किए जाते हैं। इस प्रकार अनिवार्य रूप से अपनाई गई प्रक्रिया समान है और अंतर केवल कच्ची सामग्री के स्रोत में है। अतः इसमें कानून के तहत उचित तुलना के प्रावधान नहीं बनते।
- ii. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि घरेलू उद्योग “संबद्ध सामानों के विनिर्माण में लगा उत्पादक” नहीं है, प्राधिकारी ने सूचना का सत्यापन करने के बाद इस जांच परिणाम के पैरा-15 में विस्तारपूर्वक बताए गए अनुसार नियम 2(ख) के संदर्भ में याचिकाकर्ता को एक पात्र घरेलू उत्पादक माना।
- iii. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि क्षमता अपर्याप्त है, प्राधिकारी ने रिकॉर्ड में सत्यापित तथ्यों पर विचार किया है और निष्कर्ष निकाला है कि याचिकाकर्ता के पास संबद्ध सामानों के लिए पूर्ण क्षमता है जिसको अन्य उत्पादों के लिए भी लगाया गया था। तथापि, वे अब भी अधिकतर अनपयुक्त हैं।

ज. भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

77. प्राधिकारी मानते हैं कि सामान्य रूप में पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन पाटन की अनुचित व्यापार परिपाटियों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके जो कि देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लगाने से किसी भी तरह से संबद्ध देश/क्षेत्र से आयात प्रतिबंधित नहीं होगा और इसीलिए ग्राहकों को उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

78. प्राधिकारी मानते हैं कि यद्यपि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की स्थिति में भारत में उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है परंतु भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा पाटनरोधी उपायों से कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लगाने से पाटन की परिपाटियों से उत्पन्न अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग की गिरावट रुकेगी और संबद्ध सामानों के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्पों की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी। उपभोक्ता आपूर्ति के दो या अधिक स्रोतों को अब भी बनाए रख सकते हैं।

झ . निष्कर्ष

79. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों और प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध कराए गए तथ्यों, जैसा कि इस जांच परिणाम में रिकॉर्ड किया गया है, की जांच करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- विचाराधीन उत्पाद का निर्यात संबद्ध देश से भारत में उसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ।
- घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।
- संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

ट. सिफारिशें

80. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरू की गई थी और हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया गया था तथा निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं के संबंध में सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमावली के अनुसार पाटन, क्षति और उसके कारणात्मक संबंध के संबंध में जांच शुरू किए जाने तथा आयोजित किए जाने पर और ऐसे आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन सिद्ध होने पर प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन और क्षति को समाप्त करने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क 5 वर्षों की अवधि के लिए निम्नलिखित वर्णित तरीके से लगाए जाने की सिफारिश करते हैं।

81. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कम शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी अधिसूचना की तारीख से 5 वर्षों की अवधि के लिए कमतर पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, निम्नलिखित तालिका के कॉलम सं. 8 में दर्शायी गई राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के सभी आयातों पर लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	उप शीर्ष अथवा टैरिफ मद*	वस्तुओं का विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	यूओएम	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	29211190	मोनोइसोप्रोपाइल अमीन	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	अनहुई हाओयुआन केमिकल ग्रुप कं. लि.	अनहुई हाओयुआन केमिकल ग्रुप कं. लि.	497.68	मी.टन	अम.डॉ.
2	29211190	मोनोइसोप्रोपाइल अमीन	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	झेजियांग जिनहुआ केमिकल कं. लि.	झेजियांग जिनहुआ केमिकल कं. लि.	502.85	मी.टन	अम.डॉ.
3	29211190	मोनोइसोप्रोपाइल अमीन	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	(1) तथा (2) में उल्लिखित के अलावा अन्य कोई संयोजन		620.00	मी.टन	अम.डॉ.
4	29211190	मोनोइसोप्रोपाइल अमीन	चीन जन.गण.	कोई	कोई	कोई	620.00	मी.टन	अम.डॉ.
5	29211190	मोनोइसोप्रोपाइल अमीन	कोई	चीन जन.गण.	कोई	कोई	620.00	मी.टन	अम.डॉ.

82. इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) के तहत सीमाशुल्क द्वारा निर्धारित मूल्यांकन योग्य मूल्य होगा और इसमें उपर्युक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के तहत शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क के सभी शुल्क शामिल होंगे।

83. इस अंतिम जांच परिणाम के कारण उत्पन्न होने वाले केन्द्र सरकार के इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय अधिकरण के समक्ष दायर की जाएगी।

सुनील कुमार, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th February, 2018

(Final Findings)

Subject: Anti-dumping duty to be imposed on the imports of Monoisopropylamine originating in or exported from China PR.

F.No. 14/46/2016-DGAD: Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof,

1. WHEREAS M/s Alkyl Amines Chemicals Ltd (herein after referred to as the applicant/domestic industry) had filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as this Authority), in accordance with the Act, and the Rules, alleging dumping of Monoisopropylamine (hereinafter referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR (herein after also referred to as subject country) and requested for initiation of an investigation for levy of anti-dumping duties on the subject goods.
2. AND WHEREAS, the Authority, on the basis of sufficient prima facie evidence of dumping, injury and causal link submitted by the applicant, issued a public notice dated 15th February, 2017, in accordance with Rule 6(1) of the Rules, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which, if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. Procedure

3. Procedure described below has been followed with regard to this investigation, after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigation by the Authority.
 - i. In terms of sub-Rule 5 of Rule 5, the Authority notified the Embassy of the subject country in India about the receipt of the application from the domestic industry requesting for initiation of antidumping investigation.
 - ii. The Embassy of the subject country in New Delhi was also informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2).
 - iii. The Designated Authority sent copy of initiation notification to the Embassy of the subject country in India, known exporters from the subject country, known importers in India and other interested parties, as per the information available with it, as well as the domestic industry. Parties to this investigation were requested to file questionnaire responses and make their views known in writing within prescribed time limit. Copies of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters, were also sent to the Embassy of the subject country along with a list of known exporters/ producers with a request to advise the exporters/producers from the subject country to respond to the questionnaire within the prescribed time.
 - iv. Copy of the non-confidential version of the petition filed by the domestic industry was made available to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rule 6(3) supra.
 - v. Exporters' Questionnaires were sent to the following known exporters from the subject country in accordance with the Rule 6(4) to elicit relevant information.

- a. M/s Taizhou Jianye Chemical Co. Ltd.
 - b. M/s Zhejiang Xinhua Chemical Co. Ltd.
 - c. M/s Dezhou Detian Chemical Co. Ltd.
- vi. The following producers/exporters, exporting the subject goods originating in or exported from the subject country, have filed questionnaire responses:
- a. M/s Taizhou Jianye Chemical Co. Ltd.
 - b. M/s Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd.
 - c. M/s Zhejiang Xinhua Chemical Co. Ltd.
- vii. Apart from the above responses no other interested parties filed any submissions
- viii. Questionnaires were sent to the following known importers and consumers of the subject goods in India calling for necessary information, in prescribed formats, in accordance with Rule 6(4):
- a. M/s Krishna Solvechem Ltd
 - b. M/s OC Specialities Pvt. Ltd.
 - c. M/s K Rasiklal Exim Pvt Ltd
 - d. M/s Nutron Pharmaceuticals Pvt. Ltd
 - e. M/s Medi Pharma Drug House
 - f. M/s Venus International
 - g. M/s Agro Life Science Corporation
 - h. M/s Chemo India
 - i. M/s Orion Chem Pvt. Ltd.
 - j. M/s Leo Chemplast Pvt. Ltd.
 - k. M/s Ketan Chemical Corporation
 - l. M/s Ratnachand & Company
 - m. M/s TASC Chemical Industries Pvt. Ltd.
 - n. M/s Lakshmi Saras Chem Tech Pvt. Ltd.
 - o. M/s Kopran Research Laboratories Ltd.
 - p. M/s Coromandel International Ltd.
 - q. M/s Insecticides India Ltd.
 - r. M/s Atul Limited
 - s. M/s Fleming Laboratories Ltd.
 - t. M/s Excel Crop Care Ltd.
 - u. M/s Verdant Life Sciences Pvt. Ltd.
 - v. M/s Jai shree Rasayan Udyog Ltd.
 - w. M/s Polydrug Laboratories Pvt. Ltd.
 - x. M/s CTX Life Sciences Pvt. Ltd.
 - y. M/s IPCA Laboratories Limited
 - z. M/s HPM Chemicals and Fertilizers Limited
 - aa. M/s Malladi Drugs & Pharmaceuticals Limited
 - bb. M/s Meghmani Organics Ltd.
 - cc. M/s Amri India Pvt. Ltd.
 - dd. M/s Crystal Crop Protection Pvt. Ltd.
 - ee. M/s Heranba Industries Ltd.

- ff. M/s Sangrose Laboratories Pvt. Ltd.
- gg. M/s Agrow Allied Ventures Private Limited
- ix. The following importers/users of the subject goods have filed the importer questionnaire responses.
 - a M/s OC Specialities Pvt. Ltd.
 - b M/s Meghmani Organics Ltd.
 - c M/s Insecticides India Ltd.
 - d M/s Crystal Crop Protection Pvt. Ltd.
- x. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide the transaction-wise details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation, which was received by the Authority. The Authority has, relied upon the DGCI&S data for computation of the volume of imports after due examination of the transactions and discarding the data relating to unrelated products;
- xi. The Authority made available non-confidential version of the evidences presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xii. Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India, based on the information furnished by the petitioner on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP), was worked out so as to ascertain whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to domestic industry. The Non-injurious price (NIP) has been determined by the Authority in terms of the principles laid down under Annexure III to the Anti-dumping Rules;
- xiii. The Authority held an oral hearing on 02.01.2018 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance to Rule 6 (6), which was attended by the representatives of domestic industry and other interested parties. The interested parties who presented their views orally at the time of oral hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally. The interested parties were provided opportunity to offer rejoinder submissions to the views expressed by opposing interested parties.
- xiv. On the spot verification of the data of the domestic industry, as well as that of the cooperating exporters, was carried out to the extent considered necessary.
- xv. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Authority, in this finding.
- xvi. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
- xvii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.
- xviii. A Disclosure Statement was issued on 22.01.2018 containing essential facts under consideration of the Designated Authority, giving time up to 29.01.2018 to furnish comments, if any, on Disclosure Statement. The Authority has considered post disclosure comments received from interested parties appropriately.
- xix. *** in this Notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xx. Investigation was carried out for the period of investigation starting from July 2015 to September 2016 (15 months). However, the injury investigation covers the period 2013-14, 2014-15, 2015-16 and the POI.
- xxi. The Authority has taken weighted average exchange rate for the POI (July 2015 to September 2016) as Rs 67.06/US\$.

B. Product under Consideration and Like Article

B.1 Views of the Domestic industry

4. The domestic industry has made following submissions with regard to the scope of product under consideration:

- i. The product under consideration in the present petition is "Monoisopropylamine", also known as MIPA, is an organic compound, an amine. It is a base, as typical for amines. It is a hygroscopic colourless liquid with ammonia-like odour. Its melting point is -95.2°C and its boiling point is 32.4°C . It is miscible with water. It is extremely flammable, with flash point at -37°C . It is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act.
- ii. MIPA is produced in anhydrous (99.5%). Diluted form is obtained by adding water to anhydrous form which reduces the concentration of MIPA to 70%. It is commercially sold in both anhydrous form and 70% form depending on the application or end use.
- iii. The main uses of isopropylamine are in glyphosate herbicide formulations, a key component of atrazine (another herbicide), a regulating agent for plastics, intermediate in organic synthesis of coating materials, plastics, pesticides, rubber chemicals, pharmaceuticals and others, and as an additive in the petroleum industry.
- iv. There is a little difference between the Chinese and Indian producer's production technology. In any case, the Designated Authority has repeatedly held that the difference in the production process or technology employed by the domestic industry and foreign producers is entirely immaterial for the purpose of antidumping investigations, unless it is established that the resultant products itself are different.
- v. Subject goods can be made via two modes namely, by adding hydrogen to acetone to manufacture isopropyl alcohol and the other being direct consumption of isopropyl alcohol to manufacture the subject goods. In essence the cost incurred for manufacturing isopropyl alcohol would be more or less the same as it is the cost incurred to procure isopropyl alcohol. Further, at best, it can be claimed as a backward integrated producer.

B.2 Submissions by exporters, importers and other interested parties

5. The following submissions have been made by the exporters, importers and other interested parties with regards to scope of product under consideration.
 - i. The difference in raw material/production process should be factored in for dumping and injury margin determination and for an apple to apple comparison.
 - ii. Petitioner employs isopropyl alcohol route which is different from the acetone route used by the exporter/producer. The difference in cost between the two raw materials is about 20-25%.
 - iii. Difference in price as can be seen from the DGCI&S published data for Acetone and IPA for 2015-16 and 2016-17 is such that Acetone was in the range of Rs.40 to Rs.46 per Kg in this period whereas IPA was Rs.52 to Rs.56 per Kg.
 - iv. MIPA produced by the domestic industry may be like article in view of the end uses of the same. However, nothing in the rule prohibits adjustments to accord differences in cost and price so that an apple to apple comparison is made.

B.3 Examination by the Authority

6. The product under consideration is "Monoisopropylamine", also known as MIPA. MIPA is an organic compound, an amine. It is a base, as typical for amines. It is a hygroscopic colourless liquid with ammonia-like odor. Its melting point is -95.2°C and its boiling point is 32.4°C . It is miscible with water. It is extremely flammable, with flash point at -37°C . MIPA is produced in anhydrous (99.5%). Diluted form is obtained by adding water to anhydrous form which concentration level reduced to desired level as per buyer's requirement. It is commercially sold both in anhydrous form and aquatic form depending on the application or end use.
7. The main uses of isopropyl amine are in glyphosate herbicide formulations, a key component of atrazine (another herbicide), a regulating agent for plastics, intermediate in organic synthesis of coating materials, plastics, pesticides, rubber chemicals, pharmaceuticals and others, and as an additive in the petroleum industry.
8. Product under consideration is classified under Chapter 29, under sub heading 29211190 of Customs Tariff Act, 1975. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the subject investigation.
9. Petitioner has claimed that there is no known difference in subject goods produced by the Indian industry and the subject goods imported into India from the subject country. Subject goods produced by the Indian industry and imported in India are comparable in terms of physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. They are technically and commercially substitutable. The consumers are using the domestically manufactured and imported subject goods interchangeably.

10. As regards the argument that the basic raw material is different, it is noted that the petitioner produces goods through isopropyl alcohol whereas the responding exporter identified acetone as the raw material. However, use of acetone as the raw material implies first production of isopropyl alcohol and thereafter following the same process as is being followed by the petitioner. It can thus be considered that while both the petitioner and the Chinese producers have the same production process, the Chinese producer is backward integrated. However, this is nothing peculiar considering that the source of input does not make the process different. Further, since the process followed is the same and the difference is only in the source of raw material, this does not attract provisions of fair comparison under the law. The process does not lead to any difference in the eventual product. None of the interested parties have established that the products differ in terms of physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods.
11. In view of the above, the Authority notes that for the purpose of the present investigation, the goods produced by the petitioner are being treated as like article of the product imported from the subject country within the meaning of the Rule 2(d) of the Rules.

C. Domestic Industry and Standing

C.1 Views of the Domestic industry

12. The domestic industry has made following submissions with regard to the scope of domestic industry and standing:
 - i. The petition has been filed by M/s. Alkyl Amines Chemicals Ltd., as a domestic producer of the product under consideration. The petitioner has claimed that there are no other producers of the subject goods in India and hence the petitioner is the sole producer.
 - ii. Since the petitioner is the only producer of the subject goods in the country, the petitioner has claimed that they should be considered as Domestic Industry in view of the same.
 - iii. The petitioner also claims that it is not related to any exporter or importer of the subject goods in the country nor has it imported the alleged dumped goods from the subject country into India.
 - iv. The petitioner company also produces other amines that are used in various other sectors in order to utilize the plant capacities. Petitioner has submitted that the plant capacity can be bifurcated into PUC and other products on the basis of deployment of capacity for the PUC and for other product.
 - v. It is however clarified that the plant has been set up for PUC and not for other products. The petitioner has been constrained to deploy the plant capacities on other products only because of dumping of the PUC in the country

C.2 Submissions by exporters, importers and other interested parties

13. The following submissions have been made by the exporters, importers and other interested parties regarding the standing and scope of domestic industry –
 - i. Applicant is largely engaged in production of other products and cannot be considered as domestic producer of subject goods.
 - ii. Authority to gauge the credibility of petitioner as producer of MIPA – Company has shown minimal capacity utilisation during entire injury period and the focus of the company was on producing other products;
 - iii. Focus of the company historically was not MIPA and the company was engaged in production of other products and so cannot satisfy 'engaged in manufacture of like article'.
 - iv. Focus is on most profit making amines. It cannot be said to be domestic producer manufacturing like article; Authority is requested to ascertain as to how 5,000MT of capacity for MIPA is identified out of the total 30,000 MT in 7 plants. All other products manufactured should also be furnished.

C.3 Examination by the Authority

14. The Authority notes that the application has been filed by M/s Alkyl Amines Chemicals Ltd., who is the sole domestic producer of the product under consideration in India. Applicant commands 100% of the total Indian production of the subject goods in India since there are no other producers of the subject goods in the country. It is further noted that the petitioner has not imported subject goods nor are they related to any importer or exporter thereof.
15. As regards the argument that domestic industry is not engaged in manufacture of like article as subject goods is not the focus product, it has been examined and found that the domestic industry has two plants in Patalganga, one is for producing methyl products and the other solely dedicated to subject goods. Thus plant has been set up for PUC and not for other products. In fact, in view of idling of the plant, the capacity was deployed for other products. This however does not imply that the focus of the petitioner has shifted to other products. The capacity of the said plant is 9900 MT and the same has been considered for the present purposes. Thus domestic industry is primarily engaged in

the manufacture of like article constitutes an eligible domestic industry in terms of Rule 2 (b) and satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Rules supra.

Statement of Indian Production

S.No	Particulars	UOM	2013-14	2014-15	2015-16	POI Annualised
1	Petitioner	MT	***	***	***	***
		Index	100	177	231	195
2	Other Indian Producer	MT	0	0	0	0
3	Total Indian Production	MT	566	999	1,305	965

	Particulars	UOM	2013-14	2014-15	2015-16	POI Annualised
1	Petitioner	%	100%	100%	100%	100%
2	Other Indian Producer	%	0%	0%	0%	0%
3	Total Indian Production	%	100%	100%	100%	100%

**POI- July 2015 to Sep 2016*

D. Normal Value, Export Price and Dumping Margin

F.1 Views of the Domestic industry

16. Submissions made by the domestic industry with regard to MET, normal value, export price and dumping margin are as follows:

- i. One of the provisions of Accession protocol has expired on 11th December, 2016. The Designated Authority should proceed with present investigation considering Chinese producers as producers operating in non-market economy conditions due to reasons given below.
- ii. The investigation period considered by the Authority in the present case is July, 2015 to September 2016 (15 months). The injury investigation period has been considered as 2013-14, 2014-15, 2015-16 and POI.
- iii. The purpose of fixation of POI is to consider a period when the existence of dumping causing injury is claimed and established. The date of determination is not relevant to the moot question of dumping causing injury to the domestic industry. Since the factum of dumping causing injury to the domestic industry is established based on investigation period, the conditions prevalent during the investigation period alone should be considered relevant, appropriate and necessary for the purpose.
- iv. The Chinese producers are required to be treated as non-market economy companies for the reason that the costs and prices in China do not reasonably reflect the market forces. Para 8 to Annexure-I specifies the parameters which should be considered for grant of market economy status. This also implies that unless these conditions are fulfilled/ satisfied, the Chinese costs and prices cannot be adopted.
- v. The consideration of market economy status is based on parameters prevailing during investigation period. Since the reason for rejection of Chinese costs and prices is distortion in the costs and prices in China due to the factors listed in Para 8 to Annexure-I, petitioner submits that it is the investigation period that is relevant to decide whether Chinese producers are market economy companies or not.
- vi. Since Chinese companies have been denied market economy status for the reasons mentioned in Para 8 of Annexure-I till December, 2016, petitioner submits that the Chinese producers are required to be treated as non-market economy companies till such time the investigation period includes the period specified in Accession Treaty protocol.

- vii. In the context of rule 2(b), it is well established legal position that the imports by a domestic producer or its relationship with an exporter or importer are examined with reference to the investigation period. If POI alone is relevant for standing purposes, POI alone should be relevant for normal value determination.
- viii. Chinese producers are required to be treated as companies operating under non-market economy environment and the Authority may proceed to determine the normal value on the basis of Para 7 of Annexure-I.
- ix. Normal value in China cannot be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not publicly available. Therefore, normal value should be determined on the basis of constructed cost only.
- x. Xinhua has stated that there is no related company which is involved in product under consideration. However, public research shows that there exists a branch company of Xinhua, namely, Jiangxi Xinxin Chemical Co. Ltd which is involved in the production of input to the product concerned. The related company has not responded and the responding company has withheld information, the response filed by it is liable to be rejected on this ground as well.
- xi. Taizhou Jianye Chemical Co. Ltd has stated in its response that it is a wholly owned subsidiary of Zhejiang Jianye Chemical Co. Ltd. It has further been claimed that Zhejiang Jianye Chemical Co. Ltd has two other subsidiaries and none are claimed to be engaged in the production and/or sales of the subject goods.
- xii. The public research shows that the parent company is also named as Zhejiang Jiande Jianye Organic Chemical Co. Ltd. The details and clarification on the existence of this company may be sought.
- xiii. It has been claimed that there are two other subsidiaries of the parent company, however some websites shows one more subsidiary apart from Taizhou Jianye Chemical Co. Ltd, i.e., Hangzhou Chemical Co. Ltd and some websites shows two subsidiaries, namely, Hangzhou Chemical Co. Ltd and Jiande Jianye Thermal Power Co. Ltd. Further, another website states that there are two subsidiary companies namely, Hangzhou Genghua Chemical Co., Ltd. and Taizhou Jianye Chemical Co., Ltd. There is no clarity on the number of subsidiaries and the names of such subsidiaries. The veracity of the claim needs to be verified.
- xiv. The parent company itself produces subject goods. The product is listed as a product in its website. However, the parent company has not responded. It is a settled methodology of the Designated Authority by way of past cases that unless all companies involved in either production or sale of product under consideration respond, individual dumping margin shall not be granted. Thus to the response is not complete and the same should be rejected.
- xv. Of the entire exporter responses filed only one has claimed Market economy treatment, namely, Zhejiang Xinhua Chemical Co. Ltd. The manner in which this Chinese company has been transformed from a state run factory to a stock enterprise needs verification/scrutiny of consideration transferred in the books of these companies and acceptability of the same in the light of prevailing market value may be strictly verified. Market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence.
- xvi. One responding exporter argued that there has been a 'change of name' and that the assets and the manufacturing process has been taken over by parent company, i.e., Zhejiang Jianye Chemical Co. Ltd and that Zhejiang Jianye Chemical Co. Ltd should now be given a dumping margin. The said interested party is trying to disguise change of legal structure as a mere change of name when it has in fact acceded to the fact that there has been a sale/purchase and/or transfer of assets and the said interested party has been taken over by another holding company.
- xvii. The interested party has raised this claim of change in name after the petitioner filed submissions claiming that the exporter has a parent company which is also involved in the production of subject goods and have not participated in the investigation. It appears that the parent company had been producing the subject goods earlier and when this issue was highlighted by the petitioner, the responding exporter has staged the "change in name" story! The response should be rejected on account of this blatant act of lie apart from other reasons as already explained earlier

F.2 Submissions by exporters, importers and other interested parties

17. Submissions made by the exporters, importers and other interested parties with regard to MET, normal value, export price and dumping margin are as follows –

- i. Zhejiang Xinhua Chemical Co. Ltd has withdrawn its claim to Market Economy Treatment stating lack of time in the current investigations. They have submitted that it will not be fruitful as the same would have to be procured from the relevant Chinese authorities and the present investigation being a time bound investigation would not be able to accommodate that.

F.3 Examination by the Authority – China as Non Market Economy

18. Article 15 of China's Accession Protocol provides as follows:

"Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:

- a) *In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:*
 - i. *If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;*
 - ii. *The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.*
 - b) *In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.*
 - c) *The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.*
 - d) *Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the non-market economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."*
19. Article 15 implies that provisions of one of the subparagraph shall expire 15 years from date of China's Accession. The provisions of this paragraph expired in 11th Dec., 2016. Since the factum of dumping causing injury to the domestic industry is established based on investigation period, the conditions prevalent during the investigation period alone is relevant, appropriate and necessary for the purpose of present investigation. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review is July, 2015 to Sep., 2016. Since the subparagraph of Article 15 was in existence during the period of investigation, the Authority may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.
20. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as nonmarket economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.
21. Authority notes that following exporter/producers have responded and filed questionnaire response.
- a. M/s Taizhou Jianye Chemical Co. Ltd.
 - b. M/s Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd.
 - c. M/s Zhejiang Xinhua Chemical Co. Ltd.

22. The Authority notes that none of the exporters/producers have claimed MET except Zhejiang Xinhua Chemical Co. Ltd. who has also subsequently withdrawn its claim.

Examination of Market economy claims

23. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti-Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provides information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China PR are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in subparagraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether: -
- The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
 - The exchange rate conversions are carried out at the market rate
24. The Authority notes that Zhejiang Xinhua Chemical Co. Ltd. from China PR has responded to the questionnaire pertaining to market economy status and to the exporters' questionnaire, consequent upon the initiation notice issued by the Authority and rebutted the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporters were examined for determination of normal value of the responding producers/ exporter of the subject goods.
25. Further, vide letter dated 2nd August, 2017 Zhejiang Xinhua Chemical Co. Ltd. withdrew their claim of market economy treatment.
26. Therefore in view of the withdrawal of market economy treatment claim by the exporter and producer from China PR, the Authority has not granted market economy treatment to the company and has adopted the constructed normal value for determination of normal value in terms of Para-7 to Annexure-1 to the Rules.

Normal value determination for China PR

27. In view of the above, the Authority has determined normal value having regard to para-7 of Annexure-I for the purpose of present investigation. The normal value for the subject products imported from China PR into India has been constructed considering optimum consumption norms of the domestic industry for major raw materials, cost of raw materials as per domestic industry prices, conversion cost, interest, SGA etc. at the levels allowed for the domestic industry. 5% of cost of sales excluding interest has been allowed towards reasonable profit.

(b) Export Price for responding exporters in China

28. The Authority notes that the following Chinese producers/ exporters have filed exporter questionnaire response in the present investigation:
- M/s Taizhou Jianye Chemical Co. Ltd.
 - M/s Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd.
 - M/s Zhejiang Xinhua Chemical Co. Ltd.
29. Pursuant to initiation of the present investigation and exporter questionnaire response filed by Taizhou Jianye Chemical Co. Ltd., it was submitted during the course of the proceeding that ~~the~~ there has been a change in the name of company. It has two other subsidiaries which are not exporters of the subject goods. The Authority notes that Taizhou Jianye Chemical Co., Ltd is the responding exporter who has filed its response to the exporter's questionnaire as producer as well as exporter of subject goods. Subsequent to filing of questionnaire response, Taizhou Jianye Chemical Co., Ltd has informed that it has transferred its MIPA business operation to Zhejiang Jianye Chemical Co., Ltd. i.e. holding company of Taizhou Jianye Chemical Co., Ltd. Taizhou Jianye Chemical Co., Ltd also submitted that all its activities concerning subject goods will continued to be operated ~~under~~ in the name of holding company i.e. Zhejiang Jianye Chemical Co., Ltd. On-spot verification had been planned on 15.09.2017 which had to be postponed due to ministerial exigencies. The submission with the changed facts were made on 09.11.2017, well after having informed the exporters about on-spot verification. An examination of the submissions made the case unfit for verification.

30. Further, the exporter's questionnaire may be rejected for the purpose of individual dumping margin for the following reasons
- This is not a simple name change case. Here the operations of both the entities are entirely different and may or may not be exclusive, details of which are not on record for investigation.
 - Determination of individual dumping margin is worked out for only cooperating/ responding producers/exporters. Here a request has been made to replace one name with another for dumping margin calculation without having that entity file an Exporters Questionnaire Response.
31. After examination of the responses, the exporter's data was verified by the Authority. The DGCI&S data has been examined. The data submitted by the exporters were verified and the appendix wise response to the exporter's questionnaire was taken up for examination.
32. In view of the above, the Authority has accepted the data submitted by the producers/exporters and verified subsequently by the Authority for determination of export price and dumping margin.
33. The Authority has determined the export price for other non-responding exporters as per the facts available on record. The Authority has therefore determined the export price for all the non-responding exporters/producers from China PR based on facts available on record. For the responding exporter whose export prices and Price adjustments have been verified, the export price has been determined after taking into account their prices to India given in their appendix wise information and all adjustments claimed by them and verified by the Authority. For other exporters, the CIF Export price has been adjusted for ocean freight, marine insurance, commission, inland freight, port expenses and bank commission, as per the information provided by these cooperating exporters.
34. Products are packed into drums and tanker. The weighted average of both has been taken into account for the purpose of calculations.
35. The dumping margin thus arrived has been given group wise in the tabular form below.

Dumping Margin

	Dumping margin						
	Producers	Exporter	Normal value USD /MT	Net Export Price USD/MT	Dumping margin USD/MT	Dumping margin %	Dumping margin Range
1	Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd	Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd	***	***	***	***	60-70
2	Zhejiang Xinhua Chemical Co. Ltd.	Zhejiang Xinhua Chemical Co. Ltd.	***	***	***	***	60-70
3	Other	Others	***	***	***	***	70-80

H. Determination of Injury and Causal Link

36. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure – II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
37. The Authority notes that the application for imposition of antidumping duty has been filed by M/s Alkyl Amines Chemicals Ltd., who is a domestic producer of the product under consideration in India, and commands a major proportion of total production of the subject goods in India. In terms of Rule 2(b) of the Rules, the petitioner has been treated as the domestic industry for the purpose of this investigation. Therefore, for the purpose of this determination, the cost and injury information of the petitioner, constituting the domestic industry as defined in Rule 2(b), has been examined.

H.1 Views of the domestic industry

38. Submissions made by the domestic industry with regard to injury and causal link are as follows:

- i. Demand increased in 2014-15 but declined in 2015-16. The demand has increased thereafter in the POI. The subject good is primarily used in the agro sector. The decline in demand is to be attributed to the temporary downfall of the Pharma and Agro industry wherein the subject good is a raw material.
- ii. Though there has been a slight decline in import volumes but the same is a result of the decline in demand as well. Despite the same the imports from subject countries occupy almost 76% of the total imports into the country. Imports from the subject country are almost 317% in relation to Indian Production and are at 336% in relation to DI Sales.
- iii. Imports occupy a significant volume in the Indian market. The decline in demand 2015-16 led to some decline in volume of imports from subject country. Imports increased significantly thereafter in the POI with increase in demand. The price undercutting is significantly high.
- iv. Cost of sales increased from the base year till 2014-15, but declined thereafter in 2015-16 and further declined in the POI. The selling price followed the same trend; however, it has remained below the level of cost of sales since 2014-15. Import price has remained below the level of cost as well as selling price of the domestic industry resulting in price depression in the domestic market.
- v. A comparison of the landed price and the Non injurious price clearly shows that the landing price of the subject goods is much below the non-injurious price, resulting in significantly price underselling.
- vi. Performance with respect to capacity utilization, production and sales increased till 2015-16 and declined thereafter in the POI. The domestic industry is running at a mere 22% despite having the capacity to cater to Indian demand
- vii. Market share of DI declined in the POI whereas that of the imports increased. DI holds a mere 23% share of its domestic market whereas China holds 76% of the market share.
- viii. Cost of sales increased from the base year till 2014-15, but declined thereafter in the POI. The selling price also showed the same trend but remained materially below the level of cost of sales since 2014-15. The profit/loss, cash flow, and the return on capital employed have shown a decline from 2014-15 onwards and have remained negative since then, showing abysmally poor performance in the POI.
- ix. Levels of inventories have remained at significantly high levels.
- x. Capacities being unutilized, the petitioner is already incurring heavy losses and impact of dumping has been adverse on the domestic industry.
- xi. The dumping margin is not only above *de minimis* but also significant.

H.2 Views of Other Interested Parties regarding the injury claims of domestic industry

39. Submissions made by the exporters, importers and other interested parties with regard to injury and causal link are as follows:

- i. Petitioner has employed a production process which is not cost effective. Difference in process is also a cause which needs to be segregated for the purpose of injury and causal link examination.
- ii. Petitioner should be asked to prove they were and are engaged in the production of MIPA.
- iii. Alleged injury is on account of non-production of MIPA and not on account of alleged dumped imports.
- iv. Petitioner has employed a production process which is not cost effective. Difference in process is also a cause which needs to be segregated for the purpose of injury and causal link examination.
- v. MIPA constitutes about 10% of the cost of insecticides. Petitioner is not a seasoned producer and would turn focus to more profitable products.
- vi. Individual dumping margins be considered.
- vii. No injury was suffered and facts do show breach of causal link.
- viii. Out of 15 months POI, 9 months fall in FY 2015-16 which is affected by poor performance in Agro Industry. In such a scenario claims of injury on account of alleged dumping in the same period are unreal and non-existent. The breach of causal link is also evident from this fact alone. The breach of causal link is also evident from this fact alone.
- ix. Performance of the DI be seen quarter by quarter for the POI and specifically the performance in first 2 quarters of FY2016-17. It is all about attribution of injury and not any real injury.
- x. Petitioner produced least MIPA when it was in profits and maximum when it was in losses. Clearly the focus of the company was on other goods and the alleged injury is on account of abstaining from production the PUC.

- xi. Market share of the DI has increased while imports declined.
- xii. Price effect during the POI which primarily covers FY2015-16 should be attributed to poor performance in the Agro Industry as has been admitted by the DI in their submissions dated 15th March, 2017
- xiii. Number of employees declined in the POI, the total wages increased. This should be examined
- xiv. The petitioner was not focussed on the product and the same is evident from the production which was 511MT in the base year when the demand was about 5000MT and the product was yielding profits. Petitioner is only looking at ADD to focus more on MIPA now

H.3 Examination by the authority

40. The Authority has taken note of various submissions of the interested parties on consequent injury to the domestic industry and analyzed the same considering the facts available on record and applicable laws.

Examination of Injury and Causal Link

41. Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the prices of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

H.1 Volume effect of dumped imports

a. Assessment of Demand

42. The Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below. The Authority notes that the demand of the product under consideration declined in 2015-16 and has increased thereafter.

Particulars	UOM	2013-14	2014-15	2015-16	POI-A
Demand					
Subject Country	MT	4,011	5,025	2,797	3,499
Other Countries	MT	267	126	26	48
DI domestic Sales	MT	811	715	1,313	1,041
Total	MT	5,088	5,866	4,137	4,588
Market share in Demand					
Subject Country	%	78.82	85.66	67.63	76.27
Other Countries	%	5.24	2.15	0.63	1.05
DI domestic Sales	%	15.94	12.18	31.74	22.69
Total	%	100	100	100	100

43. The market share of the subject declined in 2015-16 only to rise again in the POI whereas the market share of the domestic industry increased in 2015-16 and declined thereafter in the POI. 76% of the domestic demand is being catered by imports from subject country despite domestic industry having sufficient capacity to meet the entire domestic demand.

b. Import volumes and share of subject country

44. For examination of the volume and prices of the imports from various sources the Authority has relied upon the transaction-wise import data from DGCI&S and individual transactions have been examined based on the product descriptions to identify the product under consideration. The volume of imports during the injury investigation period, as per the analysis is as follows

Particulars	UOM	2013-14	2014-15	2015-16	POI-A	POI
Imports Volume						
Subject Country	MT	4,011	5,025	2,797	3,499	4,373
Other Countries	MT	267	126	26	48	60
Domestic Sales	MT	811	715	1,313	1,041	1,301
Imports from China in relation to						
Indian Production	%	709%	503%	214%	317%	317%
Total Imports	%	93.77	97.55	99.07	98.64	98.64
Indian Consumption	%	78.82	85.66	67.63	76.27	78.82

45. The imports from subject country declined in 2015-16 and has increased thereafter in the POI and is at significantly high levels. Almost entirety of imports into the country is from subject country.
46. Further, imports in relation to Indian production and consumption also declined in 2015-16 and increased again in the POI. Imports in relation to production and consumption have remained significant throughout the entire injury period.

H.2 Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

47. With regard to the impact of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. Accordingly, the impact on the prices of the domestic industry on account of dumped imports of the subject goods from the subject country have been examined with reference to price undercutting, price underselling, price suppression and price depression.

a. Price undercutting effect of the dumped imports

48. Price undercutting has been determined by comparing the landed values of dumped imports from the subject country over the entire period of investigation with the net sales realization of the subject goods sold by the domestic industry to see whether the imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry.
49. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product and the selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The price undercutting of the subject goods from the subject country works out as follows:

Particulars	UOM	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Landed price of imports	Rs/Kg	***	***	***	***
	Indexed	100	94	72	62
Net Sales Realisation	Rs/Kg	***	***	***	***
	Indexed	100	103	78	75
Price undercutting	Rs/Kg	***	***	***	***
Price undercutting	%	***	***	***	***
Price undercutting	Range in %	1-10	5-15	5-15	15-20

50. The Authority notes that the landed price of imports is below the level of selling price of the domestic industry. Thus imports are undercutting the domestic goods by a significant margin.

b. Price Suppression, Depression effects of dumped imports

51. The Authority examined whether the effect of the dumped imports was to depress the prices of the like article in India, or prevent price increases which would have otherwise occurred.

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Landed price of imports	Rs/Kg	***	***	***	***
	Indexed	100	94	72	62
Cost of sales	Rs/Kg	***	***	***	***
	Indexed	100	111	87	86
Selling price	Rs/Kg	***	***	***	***
	Indexed	100	103	78	75

52. The above data shows that the cost of sales and selling price has declined over the injury period. However, the decline in selling price is greater than the decline cost price. It is also noted that the landed price of imports has declined much more than the decline in costs and have remained below the level of even cost of sales since 2014-15. Thus, imports are depressing the prices of the domestic industry in the domestic market.

c. Price underselling effect of the dumped imports

53. For examining the underselling effects of the dumped imports, the landed value of imports has been compared with the Non-Injurious Price determined. The Authority notes that the price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non injurious price has been worked out and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been determined considering the cost of production of the domestic industry for the product under consideration during the POI, in accordance with Annexure III of the Anti-dumping Rules. The analysis show that during the POI, the landed value of subject imports is much below the non-injurious price of the domestic industry as can be seen from the table below.

Particulars	UOM	MIPA (weighted average)
NIP	Rs/Kg	***
Landed price	Rs/Kg	***
Injury Margin	Rs/Kg	***
Injury Margin	Range in %	30-40

H.3 Examination of other injury factors

(i) Actual and potential impact on capacity, production, capacity utilization and sales

54. The table below shows the capacity, production, capacity utilization and sales of the domestic industry for the product under consideration during the injury investigation period.

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI-A**	POI*
Capacity - MIPA Plant	MT	9,900	9,900	9,900	9,900	12,375
Capacity deployed - MIPA	MT	***	***	***	***	***
Capacity deployed - MIPA	Indexed	100	100	100	100	100
Capacity deployed - Non MIPA	MT	***	***	***	***	***
Capacity deployed - Non MIPA	Indexed	100	100	100	100	100
Production- MIPA	MT	***	***	***	***	***
Production- MIPA	Indexed	100	177	231	195	195
Production - Non MIPA	MT	***	***	***	***	***
Production – Non MIPA	Indexed	100	39	33	36	36
Total production - MIPA plant	MT	***	***	***	***	***

Total production - MIPA plant	Indexed	100	64	69	65	65
Capacity Utilization- Total Capacity	%	6%	10%	13%	11%	11%
Capacity Utilization- Deployed MIPA	%	11%	20%	26%	22%	22%
MIPA Production Ratio in Total Production	%	18%	50%	61%	55%	55%

55. Interested parties have argued that the domestic industry does not have dedicated/insufficient capacity for the subject goods and is primarily engaged in the operations of other products. It is noted that the plant has been set up for PUC and not for other products. Although the plant capacity was deployed for other products as well, the capacity utilization still remained largely unutilized. In view of unutilized capacities of the product with the petitioner, the petitioner has deployed part capacities for production of other products. The Authority analysed total production in MIPA plant and share of production of MIPA in total production in MIPA plant. It is seen that the share of production of MIPA increased over the injury period. However, despite increasing use of facilities for MIPA over the injury period, the profits of the domestic industry declined.

(ii) Actual and potential impact on profit/loss, cash flow, returns on capital employed

56. Performance of the domestic industry with respect to the profitability parameters is as follows:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI-Annualised
Profit/(Loss) per unit	Rs/Kg	***	***	***	***
	Index	100	(140)	(160)	(220)
Cash Profit	Rs.Lacs	***	***	***	***
	Index	100	(13)	(178)	(208)
Profit before Interest and Tax	Rs.Lacs	***	***	***	***
	Index	100	(124)	(292)	(308)
Return on Capital Employed- NFA	%	***	(***)	(***)	(***)
	Index	100	71	138	167

57. It is noted that the profitability of the domestic industry has declined over the injury period and the domestic industry is incurring losses since 2014-15 and the same has intensified. Cash profit, PBIT and ROI has also followed the same trend. The domestic industry is incurring cash losses since 2014-15 and the return on investment has become negative.

(iii) Actual and potential impact on Employment, Wages and Productivity

58. The data on employment and wages given below indicates decline in employment in 2014-15 and thereafter it has remained constant. Wages have increased over the injury period. It is noted that the productivity in terms of output per day has increased up to 2015-16 and then declined in the POI.

Regarding the issue of employees decreasing and wages increasing, as raised by interested parties, it is noted that as demonstrated earlier, the production of MIPA has increased throughout the injury period. After verifying records, it has been found that the increase in wage expense is due to increase in production.

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI-Annualised
No of Employees	Nos	***	***	***	***
	Index	100	92	92	92
Wages	Rs.Lacs	***	***	***	***
	Index	100	275	325	275
Productivity	Nos/day	***	***	***	***
	Index	100	150	200	150

(iv) Actual and potential impact on Inventories

59. Information regarding inventory can be seen from the table below-

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI-Annualised
Average Stock	MT	***	***	***	***
	Index	100	110	192	116

60. The Authority notes that the inventories with the domestic industry increased till 2015-16 but declined during the POI. The domestic industry has contended that it is not a definitive criterion for assessing the injury as the domestic industry is already selling the products much below the cost of production and incurring heavy losses only in a bid to gain the market share.

(v) Actual and potential impact on ability to raise fresh Investment

61. With existing capacity lying unutilised and losses being incurred, the ability of the domestic industry to continue the production of the PUC is adversely effected. Further, this would prevent the domestic industry from making any fresh investment.

(vi) Actual and potential impact on growth

62. Overall analysis of the performance of the domestic industry shows that the domestic industry has faced negative growth in terms of sales, production, capacity utilization, employment, profits, cash flow and return on investment. Considering the decline in these parameters during the POI, the potential impact of the dumped imports on these parameters could be significantly negative.

(vii) Magnitude of Dumping and Dumping Margin

63. The dumping margin of the dumped imports determined for the subject country is significantly above de minimis level.

d. Injury Margin

64. The non-injurious price of the subject goods for the domestic industry has been determined as per the principles laid down in Annex-iii to the Anti-Dumping Rules for fair comparison with the respective landed value of the imports for determination of injury margin. The injury margins determined are as under:-

	Injury margin						
	Producers	Exporter	Non Injurious price	Landed Value USD/MT	Injury margin	Injury Margin %	Injury margin% Range
1	Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd	Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd	***	***	***	***	35-45
2	Zhejiang Xinhua Chemical Co. Ltd.	Zhejiang Xinhua Chemical Co. Ltd.	***	***	***	***	35-45
3	Other	others	***	***	***	***	50-60

65. The above data indicates that the injury margins of dumped imports from the subject country are positive and significant.

e. Causal link and other factors

66. The Rules mandates the Authority to examine the causal link between the dumped imports and the injury caused to the domestic industry on account of the dumped imports. The Authority has examined whether other known factors could have caused injury to the domestic industry. The following issues brought to the notice of the Authority have been examined along with the mandatory non-attribution factors, to see whether factors other than dumped imports,

if any, could have contributed to the injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined:

i. Volume and prices of imports from other sources

67. Import data examined shows that the imports of product under consideration from other countries are either de-minimis or at substantially higher prices. Therefore, the imports from other sources are not affecting the domestic industry.

ii. Contraction in demand and/or change in pattern of consumption

68. The Authority notes that there is a slight decrease in demand of the product in the domestic market in 2015-16. However, Domestic Industry has not been able to utilize its capacity even to the level of demand. Thus, contraction in demand is not a possible reason for the injury suffered by the Domestic Industry.

iii. Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

69. The Authority notes that there are no other producers of the subject goods in India. The volume and value of goods imported during the period of investigation show that the goods are entering the Indian market without any restriction. The foreign producers and domestic industry are competing in the Indian market. Thus investigation has not shown that conditions of competition or trade restrictive practices are responsible for the alleged injury to the domestic industry.

iv. Development in technology: -

70. The investigation carried out does not show any significant change in technology or change in preference in the industry which could have affected the sector.

v. Export performance of the domestic industry: -

71. The domestic industry has not made any export sales throughout the injury investigation period and so the Authority is of the view that the export performance of the domestic industry has not caused injury to the industry.

f. Factors establishing causal link

72. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has deteriorated due to dumped imports from subject country. Causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

- a. Imports are undercutting the prices of the domestic industry. Resultantly, the volume of imports has increased significantly;
- b. Price undercutting being caused by the dumped imports forced the domestic industry to reduce its prices;
- c. The price depression effect of dumped imports from subject country has resulted in significant erosion in profitability of the domestic industry and consequent financial losses;
- d. The domestic industry has been prevented from increasing its production, capacity utilization and market share despite existence of significant demand and capacity;
- e. Deterioration in profits, return on capital employed and cash profits are directly a result of dumped imports;
- f. The growth of the domestic industry became negative in terms of a number of economic parameters like selling price, profitability, cash profit and ROCE.

I. Post disclosure Comments

73. The post disclosure submissions have been received from the interested parties. The issues raised therein have already been raised earlier during the investigation and also addressed appropriately. However, for the sake of clarity the submissions by the interested parties are being examined as below:

I.1 Views of the Domestic Industry

74. Submissions made by the Domestic Industry are as follows:

- i. Petitioner produces goods through isopropyl alcohol whereas the responding exporter identified acetone as the raw material. The use of acetone as the raw material implies first production of isopropyl alcohol and thereafter following the same process as is being followed by the petitioner. It can be said that while both the petitioner and the Chinese producers have the same production process, the Chinese producer is backward integrated. This process does not lead to any difference in the eventual product
- ii. The claim regarding engagement of the petitioner in the production other goods and hence the need to not consider it as domestic industry has been made without any substance. The domestic industry has two plants in Patalganga, one is for producing methyl products and the other solely dedicated to subject goods. In view of idling of the plant, the

capacity was deployed for other product which does not imply that the focus of the domestic industry was not on subject goods and/or that the said plant was for some other products.

- iii. The domestic industry is suffering injury on account of dumped imports from subject country
- iv. Duty be imposed in terms of US\$ in the final determination. Rupee has depreciated significantly and so, definitive duties may kindly be expressed in US\$. Depreciation of INR has impacted costs of the raw materials, utilities and other costs.

I.2 Views of Exporters, Importers, Consumers and other Interested Parties

75. Submissions made by the exporters, importers and other interested parties are as follows:

- i. The PUC exported by the exporter have Acetone as the major raw material and the normal value constructed have IPA as the basic raw material. The difference in price of these two materials is substantial though the overall process or end uses of the PUC may be same. Thus, such differences in basic raw material price warrants due adjustments as the same is a factor which affect the price comparability as provided in the rule.
- ii. The petitioner did produce only about 566 MT in the base year whereas the demand for MIPA was about 5000 MT in the said period and the petitioner was making profits in such period. It is not clear what stopped the producer from producing MIPA then if it's a producer engaged in the production of MIPA.
- iii. The producer in question is a producer of various amines and imposing any Anti-dumping duty by giving any producer tag of MIPA to the petitioner producer in question may impact the users of MIPA irreparably as the petitioner may once again shift its focus to some other products and the petitioner will not be under any obligation to produce MIPA.
- iv. The decline in demand during 2015-16 is to be attributed to the temporary downfall of the Pharma and Agro industry wherein the subject good is a raw material. However, the Authority has not conducted any examination of such a negative situation in the user sector while examining causal link. The decline in demand for such other reasons ought to have impacted the profitability also and such decline in profitability cannot be attributed to imports.

I.3 Examination by the Authority

76. It is noted that the issues raised at post disclosure stage have already been examined by the Authority in above relevant paragraphs. However, for the sake of the clarity on the submissions they are addressed as below:

- i. As regards the argument that differences in basic raw material price warrants due adjustments the Authority notes that respondent exporter uses acetone and hydrogen to produce IPA which is in turn used to produce subject goods thus essentially the process followed is the same and the difference is only in the source of raw material. Therefore, this does not attract provisions of fair comparison under the law.
- ii. As regards the argument that domestic industry is not “producer engaged in manufacture of subject goods” the Authority has after verifying information, considered the petitioner as an eligible domestic producer in terms of Rule 2(b) as explained in detail at para 15 of this finding.
- iii. As regards the argument that there is insufficient capacity, the Authority has considered the verified facts on record and concluded that the petitioner has a dedicated capacity for subject goods, which was deployed for other products as well. However, the same still remains largely unutilised.

J. Indian Industry's Interest & other issues

- 77. The Authority holds that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the India market, which is in the general interest of the country. Imposition of antidumping measures is not to restrict the imports from the subject country in any way, and to affect the availability of the products to the consumers.
- 78. The Authority holds that though in the event of imposition of anti-dumping duties the price level of product in India may be affected but fair competition in the Indian market will not be reduced by such anti-dumping measures. On the contrary, the anti-dumping measures may mitigate the unfair advantage gained by dumping practices, which would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choices to the consumers of subject goods. Consumers could still maintain two or more sources of supply

K. CONCLUSIONS

- 79. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding, the Authority concludes that
 - i. The product under consideration has been exported to India from the subject country below its normal value, resulting in dumping.

- ii. The Domestic Industry has suffered material injury due to dumping of the product under consideration from the subject country.
- iii. The material injury has been caused by the dumped imports from the subject country

L. RECOMMENDATION

80. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the Anti-Dumping Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the Domestic Industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of antidumping duty is required to offset dumping and injury. Therefore, the Authority considers it necessary to recommend imposition of definitive antidumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder for a period of 5 years.
81. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, for a period of 5 years from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, so as to remove the injury to the Domestic Industry. Accordingly, the antidumping duty equal to the amount indicated in Col No.8 of the table below is recommended to be imposed on all imports of the subject goods originating in or exported from the subject country

SN	Sub Heading or Tariff Item*	Description of Goods	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	UOM	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	29211190	Monoisopropylamine	China PR	China PR	Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd	Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd	497.68	MT	USD
2	29211190	Monoisopropylamine	China PR	China PR	Zhejiang Xinhua Chemical Co. Ltd.	Zhejiang Xinhua Chemical Co. Ltd.	502.85	MT	USD
3	29211190	Monoisopropylamine	China PR	China PR	Any combination other than mentioned in (1) and (2)		620.00	MT	USD
4	29211190	Monoisopropylamine	China PR	Any	Any	Any	620.00	MT	USD
5	29211190	Monoisopropylamine	Any	China PR	Any	Any	620.00	MT	USD

**Custom classification is only indicative and the determination of the duty shall be made as per the description of Product Under Consideration*

82. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.
83. An appeal against the order of the Central Government arising out of this final finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

SUNIL KUMAR, Add. Secy. & Designated Authority